सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज, डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी-पेज: 7 | निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 209 | शुक्रवार 07 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मुंबई में मोनोरेल ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटकी, कर्मचारी घायल

मुंबई (एजेंसी)। वडाला डिपो में विगत सुबह मुंबई मोनोरेल का ट्रायल रन हो रहा था, तभी एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल एक ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटक गई, जिससे ट्रेन कैप्टन समेत तीन कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 9-30 बजे हुआ, जब ट्रेन को एक गाइडवे बीम से दूसरे बीम पर शिफ्ट किया जा रहा था। उसी दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया और दो बीम के बीच हवा में लटक गया। मोनोरेल संचालित करने वाली महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मीडिया को बताया कि ट्रेन खाली थी और उसमें कोई यात्री नहीं था। हादसे में ट्रेन का निचला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो फुटेज में ट्रेन झुकी हुई नजर आ रही है। घटना के बाद राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की और शाम तक भारी क्रेन की मदद से ट्रेन को सुरक्षित हटाया गया। इस मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से पारा पहुंचा माइनस पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी से पहाड़ सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग व्हाइट वंडरलैंड बन गया है, जहां पर्यटकों की खासी भीड़ भी उमड़ रही है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम बर्फ से ढंक गए हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू में भी बर्फबारी शुरु हो गई है। इसके चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार, ताबो में माइनस 2.2 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 1.8 डिग्री और केलांग में 0.4 डिग्री तक पारा लुढ़क गया है। पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में भी महसूस किया जा रहा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और झारखंड में ठंडी हवाओं के कारण तापमान 3 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसी बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंड और बढ़ेगी।

अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, एफआईआर रद्द करने से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े एक कानूनी मामले से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान को पासपोर्ट हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप में दर्ज एफआईआर (एफआईआर) को रद्द करने से इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पर यकीन करना चाहिए और जब ट्रायल पूरा हो गया है, तब कोर्ट दखल नहीं दे सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी इसी आधार पर अब्दुल्ला आजम खान की अर्जी खारिज कर दी थी कि केस में पूरा ट्रायल हो चुका है। यह एफआईआर रामपुर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने दर्ज की थी। आरोप है कि अब्दुल्ला ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर पासपोर्ट बनवाया। पासपोर्ट में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है, जबकि स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार वास्तविक जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। बताया गया है कि दो पैन कार्ड मामले में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे ट्रायल को रद्द करने की मांग की थी। बात दें कि अब्दुल्ला को पासपोर्ट से जुड़े फर्जी दस्तावेज मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है, और मामला अब ट्रायल कोर्ट के निर्णय के अधीन रहेगा।

एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली में आई बाधा, कई उड़ाने देरी से उड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली बुधवार को दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बाधित रही, जिससे कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। चेक-इन प्रणाली में यह समस्या तृतीय पक्ष की नेटवर्क कनेक्टिविटी में आई खराबी के कारण उत्पन्न हुई थी। टाटा समूह की एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि अब चेक-इन प्रणाली को बहाल कर दिया गया है लेकिन स्थिति सामान्य होने तक कुछ उड़ानों में थोड़ी देरी हो सकती है। एयर इंडिया ने एक्स पर कहा कि कुछ हवाई अड्डों पर हमारी चेक-इन प्रणाली को प्रभावित करने वाली नेटवर्क कनेक्टिविटी समस्या के कारण उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई, लेकिन अब प्रणाली को बहाल कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल टी2 और टी3 पर चेक-इन प्रणाली करीब 70 मिनट तक बंद रहा, जो दोपहर 3.40 बजे से 4.50 बजे के बीच प्रभावित रहा। एयर इंडिया ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति अवश्य जांच लें और हवाई अड्डा पहुंचने के लिए कुछ अतिरिक्त समय लेकर चलें। एयरलाइन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस समस्या से कौन-कौन हवाई अड्डे प्रभावित हुए हैं।

बंगाल में एसआईआर के डर से एक और शख्स ने की आत्महत्या

-देश से बाहर कर देने का सता रहा था डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) को लेकर घमासान मचा हुआ है। अब दक्षिण 24 परगना जिले में एक व्यक्ति ने मतदाता सूची से नाम हटने के डर से आत्महत्या की है। मृतक सफीकुल गाजी पिछले कुछ महीनों से भांगड़ में ससुराल में रह रहे थे।

परिजनों ने बताया कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने के बाद दहशत में थे। गाजी को डर था कि उनके पास वैध पहचान पत्र न होने के कारण उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने इस एसआईआर को लेकर 8वीं आत्महत्या बताकर भाजपा पर भय फैलाने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद ममता बाला ठाकुर के नेतृत्व में मातुआ समुदाय के गुट ने बांग्लादेश से आए सभी शरणार्थियों को बिना शर्त नागरिकता देने की मांग पर ठाकुरनगर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। भाजपा नेता शंतनु ठाकुर ने इस घटनाक्रम को वोट राजनीति बताया, जबकि टीएमसी सीएए का विरोध जारी रखे हुए है।

बिहार के लोगों को देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी: प्रियंका गांधी

-चम्पारण वही धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया

मोतिहारी (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज विधानसभा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए एनडीए पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह वही चम्पारण की धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया। इस क्षेत्र से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह शुरू किया, लेकिन आज इस क्षेत्र की परिस्थिति क्या है? प्रियंका ने कहा कि हम कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हैं, जिनको महात्मा गांधी ने रास्ता दिखाया और उन्हें रास्ता दिखाने वाले आपके पूर्वज थे। बिहार के लोगों को इस देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी। आपको समझना पड़ेगा कि इस देश को बनाने वाले आपके पूर्वज हैं। जब यहां रास्ता तक नहीं था, उस समय आपके पूर्वज ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि कल तक यहां के विकास तेजी से हो रहे थे, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज यहां तीन साल में 27 पुल गिरे हैं। लोग रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि बीजेपी के बड़े नेता यहां आते हैं, लेकिन कभी यहां के लोगों से पलायन के कारणों के बारे में नहीं पूछते। आज यहां के शिक्षित लोग मजदूरी कर रहे हैं। पहले किसानी से भी काम चल जाता था, लेकिन इसके लिए सरकार से जो मदद मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल रही है। पहले इस इलाके में चीनी मिल होती थीं, लेकिन आज वे ठप हैं। आज यहां के किसानों को ईख (गन्ना) बेचने के लिए यूपी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज उद्योग बंद हैं। छोटे व्यापार से भी कमाई हो जाती थी, लेकिन आज वह भी नहीं हो रही है। अब बचा क्या है? आज भ्रष्टाचार चरम पर है। छोटे कार्यों के लिए भी पैसा देना पड़ता है। आज कोई खुशी से त्योहार नहीं मनाता। अस्पतालों की स्थिति भी बदतर है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज संघर्ष कर रही हैं, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं समझा। आज जब चुनाव आया तो पैसे भेजे जा रहे हैं। 20 साल से यह सरकार चल रही है, लेकिन कभी रोजगार के लिए नहीं पूछा। बिहार के लोग आज भी देश का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने कभी सम्मान नहीं दिया। बीजेपी यहां के सीएम का भी सम्मान नहीं करती है। आज स्थिति यह है कि वे मंचों पर भी यहां के सीएम को नहीं आने देते। प्रियंका गांधी ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप ऐसी सरकार बनाएं जो आपके अधिकार के लिए सोचे।

राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 17 नवंबर को

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को स्थगित हो गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि एक अधिवक्ता के निधन के कारण आज कोर्ट में कंडोलेंस था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

विजय मिश्रा का आरोप है कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। पांच साल तक चली अदालती कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

आरएसएस मामले में अदालत से झटके पर झटका खा रही सिद्धारमैया सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय से कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार को एक कानूनी झटका लगा है। कर्नाटक सरकार ने 18 अक्टूबर को आदेश जारी किया था, जिसके तहत किसी भी निजी संस्था या समूह को सरकारी जमीन या इमारत पर कार्यक्रम या सभा आयोजित करने से पहले सरकार/प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। दरअसल यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जुलूस और कार्यक्रमों से पहले जारी किया गया था। इस सरकारी आदेश को पुनश्चेतना सेवा समस्ते और कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उनका तर्क था कि यह आदेश नागरिकों के शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की सिंगल बेंच ने सरकारी आदेश पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि यह आदेश नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और सरकार सिर्फ एक आदेश से मौलिक अधिकार खत्म नहीं कर सकती, जब तक कि इसके लिए कोई कानून न बनाया गया हो। इसके बाद सिद्धारमैया सरकार ने इस रोक को हटाने के लिए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (जस्टिस एसजी पंडित और गीता केबी की बेंच) में अपील की। लेकिन डिवीजन बेंच ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर वह राहत चाहती है, तब वह सीधे डिवीजन बेंच में आने के बजाय, पहले सिंगल जज के सामने वापस जाकर उस अंतरिम आदेश को हटाने के लिए आवेदन दे सकती है। सरकार ने यह भी मांग की थी कि रोक केवल उन याचिकाकर्ताओं पर ही लागू होनी चाहिए जिन्होंने आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने इस मांग को भी ठुकरा कर सिंगल जज के सामने रखने को कहा।

रजत जयंती पर हुआ उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

-सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सदन में हुई तीखी बहस, तो लगे खूब ठहाके

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती पर विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। तीसरे दिन सदन में कई बार विधायकों में बहस देखने को मिली तो कई बार सदन में ठहाके भी गूंजे। कपकोट से बीजेपी विधायक सुरेश गड़िया जब अपनी बात रखने खड़े हुए तो संसदीय कार्य मंत्री ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर चुटकी लेते हुए कहा कि उनकी तो दाढ़ी के बाल भी नहीं फूटे। इस बात से सदन में कांग्रेसी विधायक भी ठहाके लगाते नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपकोट विधायक सुरेश गड़िया को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने खूब चुटकियां लीं, उन्होंने बोलना शुरू भी नहीं किया था कि विपक्षी विधायकों ने उनकी हौसला अफजाई शुरू कर दी। संसदीय कार्य मंत्री ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें बोलने दो, तुम तो रोज दाढ़ी बनाते हो, उनके तो अभी बाल भी नहीं आए हैं। इस पर सदन ठहाकों से गूंज उठा। हालांकि गड़िया ने जब बोलना शुरू किया विपक्षी सदस्यों ने भी मेजें बजाकर उनका समर्थन किया।

बता दें विशेष सत्र में बुधवार को भू-कानून, डेमोग्राफी चेंज पर बहस तब और दिलचस्प हो गई जब कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह और बीजेपी विधायक मुन्ना सिंह चौहान आमने-सामने हो गए। जौनसार बावर की सियासत में कट्टर प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस से सदन का माहौल काफी गर्मा गया था। दरअसल 25 साल के उत्तराखंड में विकास के कामों और ज्वलंत मुद्दों पर सदन में चर्चा हो रही थी। चकराता विधायक प्रीतम अपनी बात रख रहे थे और मुन्ना बार-बार उठकर उनकी बात को काट रहे थे। डेमोग्राफिक चेंज और अवैध लोगों को हटाने के मामले में मुन्ना सिंह ने कहा कि बनभूलपुरा में जब अवैध लोगों को हटाया गया था, तो कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट चली गई। इस पर कांग्रेस के तमाम विधायकों ने कड़ा एतराज जताया और मुन्ना सिंह को घेरा।

मामला में बार-बार टोकने से प्रीतम भी गुस्से में आ गए। मुन्ना ने फिर टोका तो प्रीतम गुस्से में बोल पड़े- क्या दिक्कत है, बार-बार इस तरह बीच में बोल रहे हो। इस पर मुन्ना सिंह ने भी जवाब में कहा कि मुझे धमकाने की कोशिश मत करना। धमकाना मत। दोनों के बीच कुछ देर गर्मागर्मी चलती रही। आखिर में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने दोनों को शांत कराया।

दिल्ली के प्रदूषण पर थरुर का तंज... जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति पर केंद्र और दिल्ली सरकार पर हमला वाला है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! कांग्रेस नेता थरूर ने दिल्ली में पलूशन के स्तर को दिखाती हुई एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक्यूआई के आंकड़ों को दिखाया गया था। शेयर की गई तस्वीर में एक्यूआई लेवल 371 दिखाई दे रहा है, जो कि हजार्ड केटेगरी में रेड दिखाई दे रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! उनके ट्वीट पर कई लोगों के रीट्वीट आए हैं। अरविंद नामक यूजर ने लिखा, कमजोर फेफड़े वालों के लिए डॉक्टरों की सलाह है कि वे चार छह सप्ताह के लिए दिल्ली छोड़ दें। कृपया फेफड़ों पर परफॉर्मेंस का बोझ नहीं डालें। एक यूजर ने अखरोट की तस्वीर शेयर करते हुए तंज कर लिखा, मेरे फेफड़ा का कुछ इलाज बताए। ये अन्य यूजर ने मजाकिया लहजे में समर्थन करते हुए लिखा बिलकुल! एक अन्य यूजर ने दिल्ली सरकार पर हमलावर होकर लिखा, सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया है जनता को? बाहर के देशों में 100-150 पर ही नेशनल इमरजेंसी लग जाती है, ताकि प्रदूषण को ख़त्म करने का प्रयास किया जा सके। भारत में कहीं चुनाव चल रहे हैं, तब प्रदूषण को ख़त्म करना अभी महत्वपूर्ण नहीं है।

दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग... 700 से कुछ अधिक जज

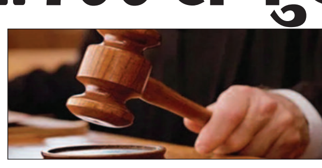

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में निचली अदालतों में जाने वाले ज़्यादातर लोगों के लिए न्याय के लिए सालों का इंतजार एक कड़वी सच्चाई है। कई रिपोर्ट से पता चलता है कि केस बढ़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है कि बढ़ते ज्यूडिशियल बैकलॉग से पेंडेंसी और बढ़ रही है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजीडीजी) के डेटा के मुताबिक दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग हैं। इसमें 13.5 लाख क्रिमिनल और 2.18 लाख सिविल केस हैं।

दिल्ली की निचली अदालतों में 700 से कुछ अधिक जज हैं। इसका अर्थ है कि हर जज औसतन 2,200 केसों की पेंडेंसी से निपट रहा है। इसमें सबसे बड़ा और अहम सवाल है कि दिल्ली एनसीटी में इतने अधिक पेंडिंग मामलों के पीछे क्या वजह है। वह भी तब, जब यहां की आबादी करीब 3 करोड़ है।

रिपोर्ट के अनुसार जितने केस निपटाए जा रहे हैं, उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है, जबकि जजों की संख्या करीब उतनी ही है। 2018 में 3.78 लाख केस निपटाए गए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 7.96 लाख हो गया। हालांकि, तभी नए केस आने की संख्या भी दोगुनी से अधिक हो गई, जो 4.84 लाख से बढ़कर 10.2 लाख हो गई।

अधिकतर पेंडिंग केस हाल ही में शुरू किए गए हैं। सभी पेंडिंग केस में से दो-तिहाई केस 2023 से 2025 के बीच शुरू किए गए हैं। बाकी 94 प्रतिशत केस 2018 के बाद से शुरू किए गए हैं। 2017 से पहले के सालों के केस सभी पेंडिंग केस का सिर्फ 6 प्रतिशत हैं। दिल्ली के दो सबसे पुराने केस 1969 के हैं।

रिपोर्ट के अनुसार हर दिन, दिल्ली में लगभग 700 जज करीब 28,000 मामलों की सुनवाई करते हैं। इसका मतलब है कि हर जज औसतन 40 मामलों की सुनवाई करता है। कुछ जजों के पास 10,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन 150 से अधिक मामलों की सुनवाई करते हैं। वहीं, कुछ जजों के पास सिर्फ 60 मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन सिर्फ चार से पांच मामलों की सुनवाई करते हैं।

ऐसा अलग-अलग कोर्ट में सौंपे गए मामलों के नेचर की वजह से है। जो कोर्ट सिर्फ चेक बाउंस के मामले सुनते हैं, वे रोजाना औसतन 120 से अधिक मामले सुन रहे हैं। कानून के मुताबिक, इसतरह के मामलों को छह महीने में निपटा देना चाहिए। हालांकि, बहुत अधिक मामले पेंडिंग होने की वजह से, दो सुनवाई के बीच एक साल का अंतर होता है।

बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की जाए... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की अपील

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की मांग की, ताकि वोटिंग के दौरान किसी भी प्रकार की धांधली न हो सके। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं है। ये भारत है। और भारत में शरिया कानून लागू नहीं होगा। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) देश बताया, जहां चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक पहचान की जांच जरूरी है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने तर्क दिया कि जब बुर्का पहने महिलाएं आधार कार्ड बनवाने, एयरपोर्ट जाने, रिजर्वेशन कराने, या सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जाती हैं, तब वे अपना चेहरा दिखाती हैं, इसलिए वोटिंग के दौरान भी पहचान की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने बुर्के में फर्जी मतदान का पता लगाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया।

वहीं केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने गिरिराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर बेवजह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बनाने की कोशिश बताया। उन्होंने सभी मतदाताओं से वोट डालने और लोकतंत्र के इस उत्सव में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर मतदान करे ताकि बिहार के विकास के लिए फिर से एनडीए सरकार बन सके। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर, केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि अगर कांग्रेस को अपने दावों पर भरोसा है, तब उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, न कि चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं पर सवाल उठाना चाहिए।

बिहार चुनाव में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान जारी हैं। वोटिंग सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कुल 45,341 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 3.75 करोड़ से ज्यादा मतदाता 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने वाले है।

खस्ताहाल सरकार: चुनावी सीजन में लाड़ली, लक्ष्मी, बहिन की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधी आबादी को अपने पक्ष में करने का आसान तरीका राजनैतिक दलों ने अपनाया है। यही वजह है कि चुनावी सीजन में महिलाओं की बल्ले-बल्ले हो रही है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बिना शर्त नकद हस्तांतरण योजनाएं शुरू की हैं, जबकि दो साल पहले यानी 2022-23 में ऐसे राज्यों की संख्या मात्र दो थी। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की इस ताजा अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में ये 12 राज्य मिलकर 1,68,050 करोड़ रुपये खर्च करेंगे- जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। दो साल पहले यह आंकड़ा 0.2प्रतिशत से भी कम था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों में आने वाले वर्ष में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां इन योजनाओं पर खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। असम में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इन योजनाओं के लिए 31प्रतिशत अधिक राशि आवंटित की गई है। पश्चिम बंगाल में यह वृद्धि 15 प्रतिशत रही है। झारखंड सरकार ने अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री मायन सम्मान योजना के तहत मासिक राशि 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी। हालांकि, आर्थिक दबाव बढ़ने पर कुछ राज्यों को लाभ राशि घटानी भी पड़ी है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल 2025 में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की राशि 1,500 से घटाकर 500 रुपये कर दी, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहले से किसानों हेतु चल रही किसी अन्य प्रत्यक्ष लाभ योजना के तहत 1,000 रुपये प्राप्त कर रही थीं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही राज्यों को चेतावनी दी है कि बढ़ती सब्सिडियों, कृषि ऋण माफी और नकद हस्तांतरण योजनाओं से राज्यों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 राज्यों में से छह राज्यों ने वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व घाटे का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट यह भी कहती है कि यदि नकद हस्तांतरण योजनाओं के खर्च को हटाकर देखा जाए, तो इन राज्यों की राजस्व स्थिति बेहतर दिखती है। उदाहरण के लिए - कर्नाटक का राजस्व संतुलन 0.3 प्रतिशत अधिशेष से घटकर 0.6 प्रतिशत घाटे में पहुंच जाता है। मध्य प्रदेश में यह अधिशेष 1.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.4 प्रतिशत रह जाता है। चाहे कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी, मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना, महाराष्ट्र की 'लाडकी बहिन'या बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' हो, लगभग हर राजनीतिक दल अब महिलाओं को नकद सहायता के रूप में राहत देने की कोशिश कर रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना बताया जाता है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ये योजनाएं चुनाव से पहले महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाने का आसान और असरदार तरीका बन चुकी हैं।

संपादकीय

'महिला स्ट्रोक' का चुनाव

विधानसभा की कुल 243 में से 121 सीटों पर जनता अपना जनादेश देगी। अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मनःस्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है। बिहार में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक वोट करती हैं, क्योंकि पुरुष बाहर काम करते हैं और मतदान के दिन नहीं लौट पाते। इसका फायदा भी नीतीश पक्ष को मिलता रहा है। इस बार के चुनाव में खासकर महिलाओं पर खूब धन-वर्षा हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तेजस्वी यादव को यह घोषणा करनी पड़ी कि उनकी सरकार बनी, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, एकमुश्त 30, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डाल दिए जाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपए माहवार देने की जो योजना ह्यतेजस्वी प्रणह्ल में संकलित है, उसका सालाना धन 30, 000 रुपए ही बनता है। इधर तेजस्वी ने यह घोषणा की, उधर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऐलान किया कि 2 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपए उनके खातों में, रोजगार प्रोत्साहन के मद्देनजर, डाल दिए जाएंगे। यदि ऐसा किया जाता है, तो 4 लाख करोड़ रुपए इसी योजना के लिए चाहिए। फिर वही यथार्थ सामने उभर आता है कि बिहार का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए है और कर्ज 3.62 लाख करोड़ रुपए का है। बिहार में कुल महिला मतदाता 3.50 करोड़ से अधिक हैं। धन-वर्षा की बातें एक तरफ हैं, लेकिन सभी योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा? बिहार के संसाधन तो बेहद सीमित हैं। सवाल है कि क्या बिहार में कुबेर का खजाना मौजूद है, जिसमें से धन निकाल कर बांटा जाता रहेगा? तेजस्वी ने 1.40 करोड़ से अधिक ह्यजीविका

चिंतन-मनन

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई।

इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका में धार्मिक ध्रुवीकरण, पूंजीवाद का विरोध- समाजवाद की चिंगारी?

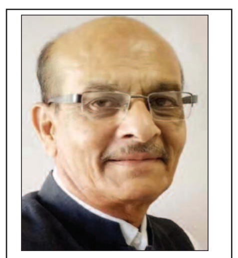

सनत जैन

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद पर पहली बार भारतीय मूल के मुस्लिम नेता जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं। यह न केवल एक ऐतिहासिक जीत है, बल्कि अमेरिकी राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत भी मानी जा रही है। ममदानी ने 50 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त कर यह चुनाव जीता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस चुनाव में हस्तक्षेप करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि ममदानी जीतते हैं, तो वह न्यूयॉर्क की फंडिंग बंद कर देंगे। ट्रंप की इस धमकी के बावजूद न्यूयॉर्क की जनता ने 34 वर्षीय ममदानी को भारी बहुमत से विजयी बनाकर यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि अमेरिका में परिवर्तन की लहर उठ चुकी है। यह जीत ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक हार मानी जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका धार्मिक ध्रुवीकरण और नस्ली भेदभाव की दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। उनकी आर्थिक नीतियां कॉरपोरेट घरानों के पक्ष में झुकी हुई हैं, जिससे आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाएं लगातार कम हो रही हैं। परिणामस्वरूप, अब न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी बल्कि रिपब्लिकन खेमे के भीतर भी ट्रंप की कार्यशैली को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के पहले भारतीय मूल के मेयर के रूप में ममदानी ने प्रगतिशील राजनीति और समाजवाद के प्रतीक बनकर जनता का विश्वास जीता है। वर्ष 2020 में वह न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य चुने गए थे। गरीब और श्रमिक वर्ग के हक की आवाज उठाने के कारण उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। मेयर बनने के बाद अपने पहले भाषण में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा– न्यूयॉर्क अब पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। संघीय व्यवस्था और न्यायपालिका को जिस तरह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनौती दी जा रही है, उसके खिलाफ एक बड़ा वातावरण बनना अमेरिका में शुरू हो गया है। न्यूयॉर्क के मेयर पद का चुनाव ट्रंप के लिए एक चिंगारी है। जो सुलग गई है, आगे चलकर यह एक बड़े स्वरूप में सामने आएगी। अमेरिका में पूंजीवाद का विरोध शुरू हो चुका है। पूंजीवाद के साथ अब समाजवाद की भी बात होने लगी है। भारत की तरह मिश्रित अर्थ व्यवस्था को लेकर अमेरिका के आगे बढ़ने का यह एक संकेत है।

ममदानी लंबे समय से कॉरपोरेट पर टैक्स बढ़ाने और मध्यम एवं निम्न वर्ग को अधिक सुविधाएं देने की मांग करते रहे हैं। वहीं, ट्रंप के शासनकाल में धार्मिक कट्टरता, नस्लवाद और महंगाई में वृद्धि ने आम अमेरिकी नागरिकों को परेशान कर रखा है। ट्रंप की ह्यटैरिफ वारह्ल नीति से आयातित वस्तुएं महंगी हो गई हैं। वह एक तानाशाह की तरह निर्णय लेते हुए न्यायपालिका और संघीय संस्थाओं को दरकिनार कर रहे हैं। इससे अमेरिकी लोकतंत्र की जड़ें हिल रही हैं। ममदानी की जीत के साथ ही वर्जीनिया में भारतीय मूल की डेमोक्रेट नेता गजाला हाशमी ने लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस पद पर पहुंचने वाली अमेरिका की पहली मुस्लिम महिला हैं। इसी तरह, भारतीय मूल के आफताब पुरेवाल ने ओहायो के सिनसिनाटी शहर में दोबारा मेयर का चुनाव जीता है। यह सभी जीतें संकेत हैं कि अमेरिका की राजनीतिक फिजा तेजी से बदल रही है। अमेरिका एक संघीय लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। लेकिन हाल के वर्षों में नस्लवाद और धार्मिक उन्माद ने अमेरिकी समाज की नींव को कमजोर किया है। बढ़ती महंगाई, टैक्सों का बोझ और कॉरपोरेट के प्रति सरकारी झुकाव ने मध्यम व निम्न वर्ग की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ऐसे माहौल में ममदानी की जीत ने न केवल ट्रंप की नीतियों को चुनौती दी है, बल्कि यह पूंजीवाद के खिलाफ समाजवादी सोच के पुनर्जागरण का संकेत भी देती है। उन्होंने अपने भाषण में नेहरू के उस विचार का उल्लेख किया, जिसमें भारत ने पूंजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद के मिश्रण से अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज जब दुनिया आर्थिक मंदी के संकट से जूझ रही है, तब ममदानी जैसे युवा नेता आशा की नई किरण बनकर उभर रहे हैं। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में समाजवादी सोच की यह चिंगारी शायद एक नई दिशा दिखाए, जहां आर्थिक विकास के साथ सामाजिक न्याय और समानता भी समान रूप से महत्त्वपूर्ण हों। निश्चित रूप से सभी वर्ग अपने आपको आर्थिक और सामाजिक तौर पर बेहतर स्थिति के रूप में देख रहे हैं। नई सोच का नेतृत्व अब ममदानी जैसे युवा कंधों पर आ गया है। जिस तरह से आर्थिक मंदी का खतरा सारी दुनिया में देखा जा रहा है। ऐसे समय पर यह नया नेतृत्व आशा की एक नई किरण बनकर सामने है। अमेरिका जैसे देश में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस : समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को ह्यराष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवसह्ल मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि ह्यकैंसरह्ल आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बिहार में वोटिंग के पूर्व हरियाणा के बहाने राहुल का चुनाव आयोग पर आरोप

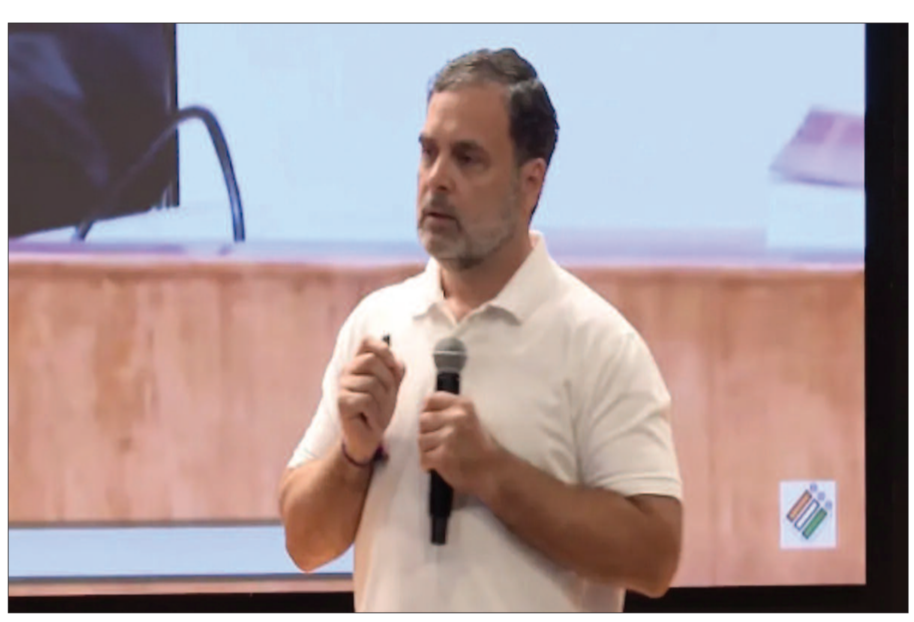

राहुल कांग्रेस के ऐसे नेता है जो हमेशा गलत वजहों से खबरों में रहते है। राहुल की टिप्पणी और आरोप हमेशा बेतुके और असंगत होते है। बिहार चुनाव में पहले चरण के चुनाव के पूर्व हरियाणा के बहाने चुनाव आयोग पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। हरियाणा में आठवां वोटर फर्जी और भाजपा ने वोट चुराने के बेमतलब आरोप लगाकर मन को शांत करने की कोशिश राहुल ने की है। हरियाणा में 25 लाख से ज्यादा वोटर्स फर्जी बताकर सीधा निर्वाचन आयोग को घेरने का प्रयास किया है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसे बेबुनियाद और तथ्यविहीन बताया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की असली हार की वजह उनके अपने नेता है। राहुल की ये बाते कुंठा को ही व्यक्त करती है। राहुल अपनी पार्टी से भी चिढ़े हुए है। क्योंकि बार बार हार के कारण हताश और निराश हुए नेता के लिए बात प्रतिष्ठा पर आ गई है। हर बार कांग्रेस चुनावो में अच्छा प्रदर्शन नही करने से कांग्रेसी नेताओं में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। देश की आजादी के बाद से बैलेट पेपर पर चुनाव होते थे उसमे कांग्रेस को कभी हार का सामना नही करना पड़ा था। क्योंकि उस दौर में फर्जी वोटिंग करना, बुच कैप्चरिंग और बाहुबल के बल पर सत्ता हथियाने की सफल कोशिश की जाती थी। लेकिन अब फर्जी वोट नही किया जा सकता है। इस पर कांग्रेस को सिरदर्द हो रहा है। चुनाव आयोग निष्पक्ष और सत्यनिष्ठा से चुनाव कराने की अपनी जवाबदारी है। कांग्रेस का पतन उनकी अपनी करनी का प्रतिफल है। रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने कहा है कि राहुल गांधी देश मे अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे है। राजनाथसिंह ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं के पास अब कोई काम नही है और कांग्रेस नेताओं के पास कोई चारा नही बचा है। इसलिए उन्हें तालाब में कूदना पड़ा। राजनाथसिंह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चो का खेल नही है। राहुल ने सशस्त्र बलों में आरक्षण की मांग को लेकर राजनाथ सिहं ने कहा कि वे देश मे अराजकता फैलाना चाहते है। बिहार में रोजगार के मुद्दे का बोलबाला सुनाई दे रहा है। बिहार चुनाव में राजद ने नौकरी की बात का शिफुगा छोड़ा था। उसी के सामने नीतीश ने एक करोड़ रोजगार की बात कहकर महागठबंधन के वादे को कमजोर कर दिया।

राजीव गांधी के बाद कांग्रेस पार्टी ने एक विशेषता विकसित की है। वह यह कि जो कांग्रेस को नुकसान पहुंचाता है,उसे अपने व्यक्तव्यों से मूर्ख बनाता है उसे ही पार्टी अपना नेता बनाती है। कपिल सिब्बल,दिग्विजयसिंह,पी चिदंबरम और ऐसे अनेक नेता आज भी पार्टी में मौजूद है जो जुठ बोलने के कारण जाने जाते है। उनकी भाषा असभ्य और कांग्रेस के विरोधी के प्रति अवमाननापूर्ण होती है। कांग्रेस पार्टी मुसलमानो की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी रही है। राहुल को न्यायालय से डांट और चेतावनी मिलतीं है। लेकिन उसके बाद भी व्यवहार में परिवर्तन की कोई गुंजाइश दिखाई नही देती है। नालन्दा की शिक्षा प्रणाली के बहाने राहुल ने कहा कि आज यूनिवर्सिटी में पेपर लीक होते है। लदरअसल, राहुल क्यो भूल जाते है यह सबकुछ हो रहा है,वह कांग्रेस की देन है। बिहार को जंगलराज में तब्दील करने वाली पार्टियों में लालू औ? कांग्रेस की जनभागीदारी ज्यादा रही है। बिहार से तीस साल पीछे धकेलने वाले लालू और कांग्रेस के पास और सता रहती तो राज्य की क्या दशा होती?उसकीं कल्पना भी नही की जा सकती है। 56 इंच की छाती वाला डरपोक है, का मोदी पर तंज कसने वाले राहुल को कांग्रेस के शासनकाल को याद करना चाहिए। चारो तरफ अराजकता के चलते कांग्रेस से मतदाता रूठे हुए है। राहुल ने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के रास्ट्रपति से भी मोदी डरते है। लेकिन भाजपा ऐसे मनगढ़ंत मुद्दे को तवज्जो नही देती है। मोदी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र को जुठ का पुलिंदा करार दिया। कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी आलाकमान के मार्गदर्शन में शायद कार्य नही कर रहे है। इसलिए राहुल बेलगाम दिखाई दे रहे है। सेना और संविधान की चर्चा पर तंज कसने वाले राहुल को मंथन करने की आवश्यकता है। कांग्रेस का विश्वास है कि बिहार में गठबंधन होता तो सत्ता में आने का मौका मिलता और इसलिए कांग्रेस हर राज्य में गठजोड़ में चुनाव लड़ रही है। तेजस्वी और कांग्रेस का गठबंधन होने के बाद बिहार प्रदर्शन कमजोर हो गया है।

बिहार की राजनीति हमेशा से देश के राजनीतिक परिदृश्य का केंद्र रही है। यहाँ की सामाजिक बनावट, जातिगत समीकरण और राजनीतिक जागरूकता इसे एक अनोखा राज्य बनाती है। आने वाले चुनावों में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गठबंधन के लिए यह एक निर्णायक परीक्षा होगी। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में अपनी पार्टी की वैतरणी पार लगा पाएंगे, और क्या तेजस्वी यादव इस राजनीतिक संग्राम में सफल होंगे?

राहुल गांधी के लिए बिहार हमेशा एक चुनौतीपूर्ण प्रदेश रहा है। कांग्रेस का जनाधार पिछले तीन दशकों में यहाँ लगातार सिमटता गया है। पहले जहाँ कांग्रेस सत्ता की धुरी हुआ करती थी, वहीं अब उसकी स्थिति गठबंधन सहयोगी तक सीमित हो गई है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाकर देशभर में एक नई राजनीतिक धारा बनाने की कोशिश की है। लेकिन बिहार में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए केवल विचारधारा नहीं, बल्कि मजबूत संगठन और स्थानीय नेतृत्व की जरूरत है। यह वही बिंदु है जहाँ राहुल को अपनी रणनीति पर और मेहनत करनी होगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए युवाओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई है। 2020 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने राजदके लिए ठीक प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार वे एक गंभीर नेता के रूप में नही उभर रहे हैं। परन्तु लालू की विरासत थामे तेजस्वी की राह आसान नही है।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के कुशल नेतृत्व मे सकुशल संपन्न हुआ, तिगरी गंगा मेला

अमरोह (सब का सपना):- प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से पतित पावनी माँ गंगा के तट तिगरी धाम मे आयोजित होने वाला गंगा तिगरी मेला इस बार श्रद्धांलुओं की आस्था के साथ आधुनिकता एवं भव्यता का बेजोड़ संगम बना। इस मेले के सफल आयोजन हेतु गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) जनपद अमरोहा को मेला अधिकारी बनाया गया जिनके द्वारा गंगा तिगरी मेले को भव्य एवं दिव्य स्वरुप देने के लिए पूरी तन्मयता से समस्त विभागों एवं पुलिस विभाग के साथ सामजस्य स्थापित करते हुए कार्य किया गया। गंगा तिगरी मेला गंगोत्सव -2025 के आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओ मे मुख्य भूमिका मे रहे डॉ. बृजेश कुमार, उप नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा इस सम्बन्ध मे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की पौराणिक काल से तिगरी धाम मे होने वाला गंगा तिगरी. मेला को भव्य एवं सर्वसुविधा युक्त बनाये जाने हेतु प्रशासन द्वारा घाट बेरीकेटिंग से लेकर साफ -सफाई, सुरक्षा, यातायात, शौचालय, मार्ग प्रकाश, जलापूर्ति, आवश्यक वस्तुओ की उपलब्धता सहित विश्व प्रसिद्ध कलाकारों के विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन, सेंड आर्ट, कुम्भ मेला की तर्ज पर टैंट सिटी की व्यवस्था भी इस वर्ष की गयी जो इस गंगा मेला आयोजन मे मील का पत्थर साबित हुई। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष गंगा तिगरी मेला मे 35 से 40 लाख श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी के दृष्टिगत प्रशासनिक तैयारी की गयी थी। डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की जिलाधिकारी द्वारा मेले मे आये श्रद्धांलुओं के मनोरंजन की सुन्दर व्यवस्था की गयी, इस बार मेले मे बनाये गए आधुनिक एवं विशाल मंच को अत्याधुनिक लेजर लाइट्स एवं विश्व स्तरीय साउंड उपकरणों से सुसज्जित किया गया, जिस पर मेले के आरम्भ 01नवम्बर से 05 नवम्बर 2025 तक लोकप्रिय बॉलीवुड सिंगर जिनमे जी सिने सिंगर अवार्ड विजेता व बॉलीवुड सिंगर निष्ठा शर्मा, आकांक्षा शर्मा, मशहूर हरियाणवी गायिका रुचिका जांगिड़ जहाँ अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया , तो अमेरिका गॉट टैलंट विजेता व बॉलीवुड कोरियोग्राफर श्रेय खन्ना अपने माइकल जैक्सन स्टाइल डांस पर उपस्थित जनसमूह को अपने डांस से थिरकाया,साथ ही लोकप्रिय जादूगर जुगनू अपने जादू से दर्शकों को दांतो तले ऊँगली दबाने को मजबूर कर दिया। इण्डिया लाफ़्टर चैलेंज विजेता मशहूर कॉमेडीयन रजत सूद व राजन श्रीवास्तव जैसे कलाकार अपनी अदाकारी से दर्शकों के हंसाकर लोटपोट कराने के लिए तिगरी गंगा मेला मे आये । इसके साथ ही भारतीय संस्कृति एवं कला के प्रतिबिम्ब के रूप मे नृत्यजली ग्रुप लखनऊ द्वारा रामलीला मंचन एवं नृत्य प्रस्तुति, कस्तूरी ग्रुप वृंदावन द्वारा कृष्णा नृत्य वाटिका मंचन, जैसी विश्वप्रसिद्ध प्रस्तुतिया दी गयी, इन प्रस्तुतियों से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। मेले का उद्घाटन एक नवंबर को दिव्य गंगा पूजन एवं महा आरती के साथ विधिवत रूप से किया गया तथा यह आयोजन पूरी भव्यता एवं विराट स्वरुप के साथ आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है की मेला आयोजन मे नगर विकास विभाग नोडल विभाग है,मेले मे इस वर्ष 35 से 40 लाख श्रद्धांलुओं के अवगमन के दृष्टिगत नगर विकास विभाग मेला आयोजन मे मुख्य भूमिका मे रहा । इतने विशाल आयोजन को कूड़ा मुक्त आयोजन (जीरो वेस्ट इवेंट) बनाये जाने की तैयारी की गयी ।जिलाधिकारी द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा तिगरी मेला 2025 को पूरी तरह कूड़ा मुक्त आयोजन कराये जाने के आदेश देते हुए इसका थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन कराये जाने के आदेश दिए इसके लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा Institute of Sustainable Development, Krukshetra को नामित किया गया। कुम्भ मेला की तर्ज पर मेले मे प्रथम बार टेंट सिटी भी बनायीं गयी जिसमे शुल्क जमा कर अच्छे होटल जैसी सुविधाएँ श्रद्धांलुओं को प्राप्त हुई जिसे श्रद्धांलुओं द्वारा काफी सराहा गया इन समस्त नावाचारो के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सबसे विशाल एवं सर्वाधिक श्रद्धांलुओं के आगमन वाला तिगरी धाम गंगा मेला 2025 लघु कुम्भ के नाम से चर्चित रहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष आशीर्वाद से इस वर्ष गंगा तिगरी मेला 2025 पतित पावनी मा. गंगा के आशीर्वाद से अपने पूरे विराट, वैभव एवं विशाल सफल आयोजन के साथ प्रदेश एवं देश मे सफलता, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त -कूड़ा मुक्त आयोजन का कीर्तिमान स्थापित किया है जिसका पूरा श्रेय जनपद की जिलाधिकारी का कुशल नेतृत्व, मेला अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह के निर्देशन एवं उनके नेतृत्व मे जुटी सम्पूर्ण प्रशासनिक मशीनरी को जाता है जिनके सम्पूर्ण एवं सामूहिक प्रयास से ये गंगा तिगरी मेला लघु कुम्भ के नाम से लोकप्रिय एवं चर्चित होकर मा. गंगा के आशीर्वाद से सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष करेंगी, महिला उत्पीडन की समस्याओं का समाधान

अमरोहा (सब का सपना): जनपद के जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसो/सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा/महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में जनपद अमरोहा में 11 नवंबर को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान द्वारा, उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं। उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें। इसके साथ-साथ महिला सुनवाई के अतिरिक्त जनपद अमरोहा के राजकीय बालिका इण्टर कालेज में बालिकाओं के साथ शक्ति संवाद कार्यक्रम भी किया जायेगा ।

जिलाधिकारी ने कान्हा गौशाला एवं पशु आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नगर पालिका परिषद हसनपुर के अध्यक्ष राजपाल सैनी की उपस्थिति में कान्हा गौशाला एवं पशु आश्रय स्थल हसनपुर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम संबंधित को निर्देश दिए की गांव आश्रय स्थल के टीनसेट को चारों तरफ से तिरपाल से ढक दिया जाए ताकि ठंड में पशुओं का बचाव हो सके। उन्होंने गौशाला में साफ सफाई के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में सभी पशुओं पर काऊकोट अवश्य होना चाहिए। जिलाधिकारी ने बीमार पशुओं की जानकारी प्राप्त की जिसमें डॉक्टर द्वारा बताया गया की पांच पशु बीमार है जिनका इलाज चल रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जो भी पशु बीमार है उनका सही प्रकार इलाज किया जाए किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्टॉक रजिस्टर, भूसा स्टोर, चोकर स्टोर सीसीटीवी कैमरे रूम आदि का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी पशु को भूसा, खल, चोकर, पानी की कमी ना रहे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए उन्होंने कहा कि गौशाला में प्रकाश की उचित व्यवस्था हो। जिलाधिकारी ने गौशाला में पशुओं को खाने की रूटीन की पूरी जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि भूसे में अच्छी प्रकार से पानी, चोकर, हरा चारा मिलकर पशुओं को दिया जाए सूखे भूसे में चोकर मिलकर ना दिया जाए इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं को दिन में तीन बार चारा अवश्य दिया जाए। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने गायों को गुड़ खिलाया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी की झूठी सूचना देने वाली महिला के घर से अवैध तमंचा बरामद, बेटा गिरफ्तार

कुढ़फतेहगढ़/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम मुडिया खेड़ा में चोरी की झूठी सूचना देने के मामले में पुलिस जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल से एक अवैध तमंचा (315 बोर) बरामद किया और घर के मालिक के बेटे बृजनन्दन पुत्र स्वर्गीय शील कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 5 नवंबर को ग्राम मुडिया खेड़ा निवासी कन्यावती पत्नी स्वर्गीय शील कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर से सोने की चेन और चांदी की पाजेब चोरी हो गई है। सूचना मिलते ही थाना कुढ़फतेहगढ़ पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान कन्यावती ने अपनी पुत्रवधू से फोन पर बात की, जिसमें लाउडस्पीकर ऑन था और पुलिसकर्मी मौजूद थे। पुत्रवधू ने खुलासा किया कि कथित चोरी हुए आभूषण उसने खुद पहनकर मायके शादी में ले जाए थे। इससे साबित हो गया कि चोरी की सूचना पूरी तरह झूठी थी। घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान घर में रखी लोहे की अलमारी की तलाशी ली गई, जहां से फील्ड यूनिट को एक 315 बोर का अवैध तमंचा मिला। कन्यावती ने बताया कि यह कमरा उनके बेटे बृजनन्दन का है। इसके बाद 6 नवंबर को पुलिस ने बृजनन्दन पुत्र स्वर्गीय शील कुमार, निवासी ग्राम मुडिया खेड़ा, थाना कुढ़फतेहगढ़, जनपद सम्भल को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना कुढ़फतेहगढ़ में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। यह घटना झूठी शिकायतों के दुरुपयोग और अवैध हथियारों की मौजूदगी पर सवाल उठाती है।

स्कॉर्पियो और बाइक की भीषण टक्कर में बुजुर्ग की मौत, परिवार में छाया मातम

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परतापुर के मुख्य चौराहे पर गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। बहजोई की ओर से तेज रफ्तार में आ रही काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी और विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। हादसे का शिकार हुए मलखान सिंह पुत्र पूरन सिंह (60) ग्राम राजपुर थाना बहजोई जनपद संभल के रहने वाले थे। वे अपनी बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी अचानक स्कॉर्पियो से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार मलखान सिंह सड़क पर दूर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वहां पहले से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो चुकी थी। लोग हादसे की भयावहता देखकर स्तब्ध थे। घायल मलखान सिंह को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल बहजोई ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों की टीम ने उन्हें जांचा, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, जहां अग्रिम कार्यवाई की जा रही है।

फर्जी पुलिसवाला बनकर कबाड़ी से 500 रुपये की वसूली करने वाला गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चौधरी सराय क्षेत्र में पुलिस की वर्दी पहनकर फर्जी पुलिसकर्मी बनने वाले एक शख्स को असली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने कबाड़ी दुकानदार को एनकाउंटर और झूठे मुकदमे की धमकी देकर 5000 रुपये की अवैध वसूली मांगी थी, जिसमें से 500 रुपये ले भी लिए। दुकानदार और उसके साथियों ने शक होने पर उसे पकड़कर थाने पहुंचाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार भाटी के नेतृत्व में कोतवाली सम्भल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पीड़ित गय्यूर पुत्र मकबूल निवासी चौधरी सराय ने लिखित तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी की पहचान विशनु बाबू पुत्र चन्द्रपाल निवासी पुशावली, थाना जुनावाई, जनपद सम्भल के रूप में हुई। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को आरक्षी बताता था और लोगों को डराकर पैसे वसूलता था। उसके पास मिली पिस्टल खिलौना दुकान से खरीदी हुई निकली। विशनु ने बताया, "मैं वर्दी और पिस्टल दिखाकर लोगों को डराता हूं, वे आसानी से पैसे दे देते हैं। इससे पहले हरिद्वार में दरोगा बनकर ऐसा कर चुका हूं, वहां पकड़ा गया था लेकिन मिन्नतों के बाद छोड़ दिया गया, जिससे हिम्मत बढ़ी।अब चौधरी सराय में कबाड़ी से 500 रुपये ले लिए थे, लेकिन वे मुझे पकड़कर थाने ले आए।" पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश करने की तैयारी की है। यह घटना फर्जी पुलिसकर्मियों की बढ़ती साजिशों पर सवाल उठाती है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

यातायात जागरूकता अभियान पुलिस ने स्कूली छात्रों को दी सड़क सुरक्षा की जानकारी

संभल(सब का सपना):- नवंबर माह के अंतर्गत चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के तहत पुलिस ने एंजिल्स पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार ने यातायात प्रभारी के साथ मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने और नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया गया। क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे वाहन न चलाएं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी प्रेरित करें। जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात नियमों से संबंधित पंपलेट भी छात्रों में वितरित किए गए। इस अभियान से स्कूली बच्चों में सड़क सुरक्षा की समझ विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में यातायात अनुशासन को मजबूत किया जाएगा।

तिगरी मेला के समापन होने पर पुलिस अधीक्षक ने पूजा अर्चना कर पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में गंगा तट पर आयोजित तिगरी मेला-2025 का सफलतापूर्वक समापन पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के कुशल निर्देशन एवं नेतृत्व में सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।तिगरी गंगा मेला 2025 के समापन के अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्षों एवं मेला ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल के साथ गंगा घाट पर विधिवत पूजा-अर्चना कर मां गंगा से जनपद में सुख-शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा की कामना की गई। पूजन उपरान्त पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा पुलिसकर्मियों हेतु भोज (बड़ा खाना) का आयोजन किया गया, जिसमें मेला ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने तिगरी मेला-2025 को सकुशल सम्पन्न कराने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मानित किया। मेला समापन कार्यक्रम के दौरान जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, पुलिस लाइन अधिकारी, महिला पुलिस कर्मी, ट्रैफिक पुलिस, कंट्रोल रूम टीम सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अमरोहा पुलिस द्वारा तिगरी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, खोया-पाया केंद्र, सीसीटीवी निगरानी, रूट डायवर्जन, पुलिस सहायता केंद्रों आदि के माध्यम से उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिसकी सराहना श्रद्धालुओं एवं आमजन द्वारा खुलकर की गई।

अमरोहा प्रीमियर लीग (APL-18) नफीस अब्बासी कप 2025 का आज होगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अब्बासी क्रिकेट अकादमी, के तत्वावधान में जारी अमरोहा प्रीमियर लीग (APL-18) नफीस अब्बासी कप 2025 का पहला सेमीफाइनल रोमांचक अंदाज में खेला गया। इस मुकाबले में हिंद एग्रीकल्चर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फरहान खान इलेवन को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए फरहान खान इलेवन की टीम ने 176 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। टीम की ओर से सलीम खान ने शानदार 64 रन और जैद ने 46 रन बनाए। गेंदबाजी में हिंद एग्रीकल्चर की तरफ से सोनू सैनी ने 4 विकेट और फैज्यब मलिक ने 2 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हिंद एग्रीकल्चर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए केवल 11.4 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। टीम के धुरंधर बल्लेबाज मुंसिफ खान ने शानदार 137 रन ठोके, जिसमें 12 छक्के और 13 चौके शामिल थे। हर्ष ने भी 25 रनों की उपयोगी पारी खेली। फरहान खान इलेवन की ओर से जैद ने 2 विकेट लिए। शानदार प्रदर्शन के लिए मुंसिफ खान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया और सम्मानित किया गया। कल का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला मनपसंद 11 और विहान 11 के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों में बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं – कार्तिक, सिद्धू, और आर्यन चौधरी, जो मौजूदा UP T20 लीग के चर्चित खिलाड़ी हैं यह पूरा टूनार्मेंट अब्बासी क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष फि रोज कमाल अब्बासी की सरपरस्ती में सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है। उनका कहना है कि इस लीग का उद्देश्य अमरोहा की प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देना है ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर चार चरणों में मनाया जाएगा कार्यक्रम

वंदे मातरम गीत के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व के दृष्टिगत कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में श्री बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के आज यानी कि 7 नवंबर को 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत श्री बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम गीत के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व के दृष्टिगत जनपद स्तर तथा विद्यालय स्तरों एवं अन्य स्थान पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गयी। कार्यक्रम 4 चरणों में आयोजित किया जाना है प्रथम चरण दिनांक 07 नवंबर से 14 नवंबर 2025 तक रहेगा तथा द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 तक तथा तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026 तथा चतुर्थ चरण दिनांक 01 से 07 नवंबर 2026 तक रहेगा। बैठक के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि दिनांक 07 नवंबर 2025 को जनपद के समस्त स्कूलों में विद्यालयों में सामूहिक रूप से प्रातः 10:00 बजे वंदे मातरम का गायन किया जाए तथा उसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से विद्यार्थियों को अवगत भी कराया जाए। उच्च शिक्षा संस्थानों में वंदे मातरम के राष्ट्रीय एकता एवं स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को लेकर विशेष रूप से सेमिनार संगोष्ठी परिचर्चा एवं लेक्चर आदि का आयोजन किया जाए । स्वतंत्रता संग्राम शहीद स्थलों ,स्मारकों एवं अन्य युद्धों में शहीद हुए शहीदों के नाम से बनाए गए स्मारकों पर वंदे मातरम गीत के डेढ़ सौ वर्ष के अवसर पर वंदे मातरम ध्वनि का वादन स्काउट गाइड आदि के बैंड द्वारा किया जाए। आज कलेक्ट्रेट परिसर में भी प्रातः 10:00 बजे सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का गायन किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह एवं खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गो वंशों को ठंड से बचाव के संबंध में किया गया बैठक का आयोजन किया

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गो वंशों को ठंड से बचाव के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गो वंशों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त मात्रा में पोष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गोवंश को ठंड से बचाव हेतु गो आश्रय स्थलों में शीत लहर के प्रभाव को रोकने के लिए त्रिपाल, बोरा, इत्यादि का प्रयोग किया जाए। वृद्ध, अशक्त तथा नवजात गो वंशों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गौ आश्रय स्थलों पर गो वंशों हेतु जूट के बोरे के झूल का उपयोग किया जाए। गौ आश्रय स्थलों पर बोरा एवं टाट की उपलब्धता को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गौ आश्रय स्थलों पर समुचित साफ सफाई तथा तथा पर्याप्त मात्रा में भूसा, पराली हरा चारा, दाना गुड़, आदि को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहें अगर लापरवाही संज्ञान में आयी तो ग्राम प्रधान तथा ग्राम सचिव पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। केयर टेकर के भुगतान को लेकर भी निर्देशित किया तथा गो वंशों के शव का निस्तारण शासनादेश के अनुसार हो। पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान तथा केयर टेकर का संवेदीकरण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाटा ब्लाक में ब्लाक स्तरीय बेसिक बाल प्रतियोगिता

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के जुनियर हाईस्कूल के प्रांगण में गुरुवार को ब्लाक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें बालक वर्ग की टीम विजेता रही। टीम को शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। ध्वज फहराकर उद्घाटन विधायक मोहन बर्मा व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रामानंद सिंह ने किया विधायक मोहन बर्मा ने कहाकि खेल से शारीरिक व मानसिक विकास के साथ अनुशासन व नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। खेल के माध्यम से खिलाड़ी राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। बेटियों ने विश्व कप जीतकर महिला सशक्तिकरण अभियान को मजबूती प्रदान की है और विश्व में भारत का सम्मान बढ़ाया है। प्रारंभ में दीप प्रज्जवन, ध्वजारोहण, रंगोली निरीक्षण, मार्च पास्ट की सलामी , शपथग्रहण, मशाल दौड़ आदि कार्यक्रम हुए। खेल प्रतियोगिता का आकर्षण केन्द्र रहा जूनियर हाईस्कूल भठही राजा के प्रधानाचार्य राजीव नयन द्विवेदी के द्वारा अपने निजी वहन से बीस हजार रुपए का चेक अपने विधालय के बच्चों को देकर पुरस्कृत किया गया खेल प्रतियोगिता का अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रामानंद सिंह और संचालन शिक्षक अमिताभ त्रिपाठी ने किया। बीईओ अखिलेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। स्कोरर व रिकार्ड कीपिंग टीम में बृजेन्द्र सिंह व भगवान तिवारी इस अवसर पर शिक्षक अध्यक्ष राम दिनेश सिंह देवानंद सिंह बिपिन सिंह राजीव नयन द्विवेदी राजन तिवारी धीरज मिश्रा रितेश सिंह मृत्युंजय तिवारी सुजीत राव रमन राव सुरेन्द्र सिंह जयंत सिंह बिनय यादव सुनील सिंह अमिताभ पटेल कमलेश पटेल आदि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के सातवे दिन पुणार्हुति एवं भण्डारा के साथ हुआ समापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद के वार्ड न 15 वीर सावरकर नगर के निवासी मुख्य यजमान सेवानिवृत्त प्रवक्ता मधुसूदन मिश्र एवं उनकी धर्मपत्नी नगावली के निज निवास पर चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवे दिन उपस्थित श्रोतागणों को कथावाचक अनुराग कृष्ण शास्त्री ने सुदामा-चरित्र का विस्तारपूर्वक पूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मित्रता हो तो सुदामा जैसा परन्तु वर्तमान परिवेश में ऐसा बिलकुल नही है। उन्होंने कहा कि आजकल की मित्रता तो स्वार्थ एवं अवसरवादी हो गयी है। उन्होंने कहा कि सुदामा निर्धन ब्राह्मण थे और कृष्ण उनके बाल सखा। सुदामा का चरित्र त्याग का है।

उन्होंने कहा कि गरीबी एवं विपन्नता के बाबजूद भी परम संतोषी थे सुदामा जी। सुदामा जी के घर मे क्रांति तब आई जब चार पाँच दिनों तक अन्न के अभाव भोजन नही बना। सुदामा की पत्नी सुशीला ने भूखे बच्चों की तसल्ली के लिये चूल्हे पर देर तक पानी को पकाती थी। उनके दरवाजे पर एक दिन भीख मांगने एक भिक्षु आया उसे सुदामा जी पत्नी ने कहा मेरे घर बिटिया हुई है जिसका दरिद्रा एवं विपन्नता है अतः मैं आपको कुछ दे नही सकती। तब उसने कहा कि सुदामा जी के बाल सखा है द्वारिकाधीश क्यों नही आप उन्हें वहाँ भेज देती है। पत्नी सुशीला के कहने पर अपने बाल सखा से मिलने सुदामा द्वारिका जाते है और वहाँ द्वारपाल से कहते है कि जाओ द्वारिकाधीश से बता दो कि सुदामा आये है द्वारपाल जाकर कहता है तो कृष्ण दौड़े दौड़े सुदामा से मिलने आते फिर उन्हें गले लगाकर रोने लगते है तथा उन्हें अपने आसन पर बैठकर उनका पाव अपने अश्रुओं की धारा से पखारते है। कृष्ण सुदामा के मिलने की मार्मिक कथा सुन उपस्थिति श्रोतागण के आँखे भर आयी। तदुपरान्त कथा का समापन तुला दान,हवन एवं भण्डारा के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान पंडित दिनेश त्रिपाठी, ब्रदीनाथ पांडेय, विधायक हाटा मोहन वर्मा, सपा नेता रणविजय सिंह,डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी, डॉ अनामिका, डॉ अमित कुमार राय, डॉ उमाशंकर नायक, चतुर्भुज मिश्र, अशोक मिश्र, सुशील मिश्र, सतीश मिश्र, अभय मिश्र, आनन्द मिश्र, आशुतोष मिश्र, अनुपम मिश्र, हिमांशु मिश्र, आरिव मिश्र, रिशुल पांडेय, विराट पांडेय, अंजलि मिश्र, नम्रता मिश्र, डॉ रागिनी मिश्र, मोनिका, स्वाति, प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट का नाम बदलकर भदंत ज्ञानेश्वर कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट करने की मांग

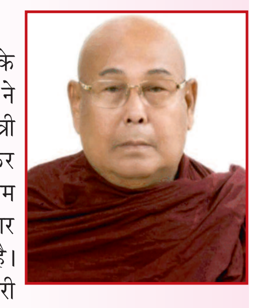

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रबुद्ध सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 श्री प्रकाश बरनवाल ने राष्टपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अधिकारियों को पत्र भेजकर कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम बदलकर भदंत ज्ञानेश्वर कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट करने की मांग की है। श्री बरनवाल ने इसी क्रम में जिलाधिकारी कुशीनगर को भी पत्र भेजकर एयरपोर्ट का नाम भदंत ज्ञानेश्वर के नाम पर रखने की मांग की है। डॉ बरनवाल ने बताया कि भदंत ज्ञानेश्वर ने बुद्ध धर्म की शिक्षाओं के प्रसार के साथ कुशीनगर के सामाजिक, शैक्षणिक विकास में अहम योगदान दिया है। भगवान बुद्ध के करुणा, मैत्री, शांति के संदेश का प्रसार विश्व के 70 देशों में किया है। करोड़ों अनुयायियों के गुरु और संरक्षक के रूप में अपना सानिध्य दिया है और उन्हें सुखी जीवन का मार्ग बताया। इनमें करोड़ों अनुयायी, उपासक, उपासिका,भिक्षु, नेता, अभिनेता शामिल है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कुशीनगर में संस्थानों की स्थापना और सहयोग के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कार्य किया है तो कुशीनगर को अंतरराष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उनके कृतित्व और व्यक्तित्व को देखते हुए कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए। यही बौद्ध धमार्नुयाईयों और आम जनता की भी इच्छा है। यह सम्मान उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सांसद, विधायक सहित देशी, विदेशी श्रद्धालुओं ने भन्दंत को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध तीर्थ कुशीनगर स्थित म्यांमार मंदिर में दिवंगत भंते ज्ञानेश्वर के पार्थिव शरीर का दर्शन कर सांसद विजय कुमार दुबे, विधायक मोहन वर्मा सहित भारी संख्या में भारत, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, वर्मा, जापान, नेपाल, वियतनाम आदि देशों के श्रद्धालुओं ने दिवंगत भंते को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद श्री दुबे ने भंते के निधन पर शोक प्रकट किया। कहा कि भंते ज्ञानेश्वर सर्वमान्य बौद्ध संत थे। उन्होंने कुशीनगर में आध्यात्म के साथ शिक्षा का भी विकास किया। भिक्षु नियमित शांति पाठ कर रहे हैं। इस दौरान भंते डॉ नंद रतन, भंते महेंद्र, भंते नंदिका, भंते अशोक, भंते उपाली, भंते विनयकीर्ति, भंते आलोक सहित सरदार बलविंदर सिंह, श्रीमती मनमी कौर, डॉ. निगम मौर्य, चंद्र प्रकाश चमन यादव, सुमित त्रिपाठी, अंबिकेश त्रिपाठी, पूर्व छात्र संघ महामंत्री श्रीराम सिंह, पूर्व सभासद रामाधार यादव, राम नगीना, टीके राय, सीताराम सहित सैकड़ों उपासक मौजूद रहे।

महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक पम्पलेट किए वितरित

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल सुश्री अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ळमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

गन्ने के साथ लहसुन की खेती किसानों के लिए वरदानः ओपी गुप्ता

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। जिले में किसान धान काटकर शरदकालीन गन्ने की बुवाई प्रारंभ कर दिए हैं। गन्ने के साथ लहसुन की सहफसली खेती, किसानों के लिए वरदान व दोहरा लाभ देती है। गन्ने की बुवाई 4 फीट पर करें तथा गन्ने की दो लाइनों के बीच लहसुन की तीन या चार पंक्ति बोयें, यह जानकारी पूर्व सहायक निदेशक वह गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने कसया के ग्राम अभिनायकपुर में दी। गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को. 0118, को.शा. 13235, को. लख. 14201 हैं। जल भराव वाले खेतों में को.पी. 9301 की बुवाई करें। भूमि उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा का प्रयोग करें। गन्ने की दो आंखें गेड़ी को हेक्सास्टॉप के घोल में उपचारित करें। लहसुन के लिए एक एकड़ खेत में अंतिम जुताई के समय 70 से 80 कुंतल गोबर की सड़ी खाद प्रयोग करें। गन्ने की दो लाइन के बीच 50 किलोग्राम डीएपी तथा 30 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रयोग करें। लहसुन की कली जावा की बुवाई लाइन से लाइन की दूरी 15 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दूरी 10 सेमी रखें। लहसुन की फसल मार्च माह में तैयार होगी। एक एकड़ में 45 से 50 कुंतल लहसुन की उपज होगी। 50 रुपए किलो बेचने पर दो से ढाई लाख का लहसुन होगा। लहसुन गन्ने में कीट नियंत्रण करेगा। गन्ने के उपज 300 से 400 कुंतल एकड़ होगी, जिससे आय बढ़ेगी तथा उत्पादन लागत कम होगी।ढाढ़ा चीनी मिल परिक्षेत्र में अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता के मार्गदर्शन में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रहीं हैं। उपाध्यक्ष 'गन्ना' रविंद्र सिंह ने किसानों को बताया की तोरिया का बीज 50% अनुदान पर दिया जा रहा है। किसान अपने चीनी मिल कर्मचारियों से मिलकर बीज प्राप्त करें तथा गन्ने में बुवाई करें। ट्राइकोडर्मा, जैविक पोटाश, कृषि यंत्र सभी अनुदान पर दिया जा रहा है। सहायक उपाध्यक्ष 'गन्ना' मनोज बिश्नोई ने बताया नवंबर माह में दो दर्जन से अधिक शरदकालीन गन्ना विकास गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रगतिशील किसान ओम प्रकाश राय रामचंद्र यादव ने कहा कि गन्ना कटाई, छिलाई की व्यवस्था किया जाए।

प्रदेश में समय से पहले आ सकती है ठिठुरने वाली सर्दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शरद ऋतु की विधिवत शुरूआत हो चुकी है। दिन में नवंबर की गुलाबी धूप और रातें सर्द होने लगी हैं। ज्यादातर इलाकों में तड़के सुबह कोहरे का असर दिखाई देने लगा है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि मौसम आने वाले तीन दिनों में प्रदेश भर में रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट आएगी। इससे दिन में तो तापमान औसत बना रहेगा लेकिन सुबह और शाम के समय सर्दी में और इजाफा शुरू हो जाएगा। वहीं कोहरे का विस्तार प्रदेश के तराई और पूर्वांचल में दिखाई देगा। दिन के अधिकतम तापमान में अभी कुछ खास बढ़ोतरी के आसार नहीं है। बृहस्पतिवार को प्रदेश भर में पूरब से पश्चिम तक बरेली, मेरठ, कानपुर शहर, बाराबंकी, हरदोई, वाराणसी जैसे लगभग 10 जिलों में रात का पारा 18 डिग्री सेल्सियस के नीचे लुढ़क गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले तीन दिनों में प्रदेश भर में रात के पारे में 3 से 5 डिग्री की गिरावट के संकेत हैं। तराई व पूर्वांचल में सुबह के वक्त धुंध व कोहरे का असर भी दिखाई देगा। राजधानी में दिन में गुनगुनी धूप रही। दिन के तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस की बढ़त रही।

देव दीपावली पर इक्यावन सौ दीपों से दमका सोहसा-दुबौली घाट

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के तत्वावधान में छोटी गंडक नदी तट स्थित सोहसाझ्रदुबौली घाट पर बुधवार की संध्या देव दीपावली के पावन अवसर पर दीपदान एवं भजन संध्या कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और जनसहयोग के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गंगा मैया की प्रतीक रूप से की गई, जबकि भगवान महादेव को मुख्य अतिथि मानकर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किया। पाँच हजार एक सौ दीपों की ज्योति से पूरा घाट क्षेत्र आलोकित हो उठा। मानो धरती पर आकाश उतर आया हो। संध्या बेला में आयोजित सामूहिक प्रार्थना में संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र के नेतृत्व में जन प्रतिनिधियों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा मैया से लगभग 100 गांव की आस्था के केंद्र सोहसा मोक्षधाम निर्माण एवं घाट के सर्वांगीण विकास की मंगल कामना की। यह प्रार्थना केवल शब्द नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित एक जनभावना की पुकार थी, ताकि अंतिम संस्कार के इस पवित्र स्थल को अब गरिमा, स्वच्छता और सुविधा प्राप्त हो सके। प्रार्थना में जन प्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने गंगा मैया से प्रार्थना की कि दुबौली छठ घाट का पवित्र कार्य शीघ्र पूर्ण हो और आने वाले दो से तीन महीनों के भीतर सोहसा मोक्षधाम का शिलान्यास अवश्य प्रारंभ हो जाए। यदि किसी कारण यह कार्य उस अवधि में आरंभ न हो पाए, तो जनमानस ने संकल्प लिया कि जन सहयोग के बल पर इस पवित्र कार्य को बिना किसी विरोध के, केवल

सेवा, आस्था और श्रद्धा की भावना के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। कलाकारों ने भक्ति गीतों से वातावरण को भाव विभोर कर दिया। अंत में पंडितगणों के मंगलमय मंत्रोच्चार के बीच दीपदान सम्पन्न हुआ और हजारों हाथों से प्रज्वलित दीपों की रौशनी में पूरा घाट ळहर हर गंगेह्व और ळहर हर महादेवह्व के जयघोष से गूंज उठा। सांसद विजय कुमार दुबे ने सोहसा मोक्षधाम निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं माननीय विधायक मोहन वर्मा ने 12 लाख रुपये की लागत से धर्मशाला निर्माण कराने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र मिश्र ने किया। आगंतुकों का स्वागत ग्राम प्रधान सेवा लाल यादव एवं आभार सत्यजीत सिंह ने किया। पूर्व विधायक मदन गोविंद राव, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह, पूर्व प्रमुख राजन त्रिपाठी, नगर पंचायत अध्यक्ष नवरंग सिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव, सोहसा प्रधान प्रतिनिधि मुकेश राव, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश राव, पंडित शुभम मिश्र, पंडित राघवेंद्र तिवारी, पंडित कन्हैया मिश्र, संस्था अध्यक्ष प्रो0 सीमा त्रिपाठी, डा0 शुक्ला नाथ, डॉ0 सत्यप्रकाश, नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, शंभू राव, सुमित त्रिपाठी, राम कोमल चौधरी, बबलू मिश्र, गुलशन तिवारी, सुरेश प्रसाद गुप्ता, राजू जायसवाल, सूर्यभान गुप्ता, राजेश पांडेय, गौतम मुनि तिवारी, कृष्णमोहन, आदित्य पांडेय, देवानंद, अभिषांक शर्मा, रंजीत राय, हृदयानंद पांडेय, पारस नाथ गुप्ता, अश्विनी द्विवेदी नमन, धीरज राव, सुनील मिश्र, ऋषभ राव, कौशल जायसवाल, नीतीश गौड़, दुर्गेश वर्मा, नीतीश दुबे, देवानंद धर द्विवेदी, साहिल बजाज, दुर्गेश वर्मा, प्रवीण राव, धीरज मिश्र, दीनानाथ ओझा, अश्विनी पांडेय, आनंद पांडेय, सोनू राव, विनय राव, विनीत शुक्ल, अनिरुद्ध सिंह पटेल, राणा प्रताप राव, रणधीर राव, संदीप, बबलू दुबे, राजेश पटेल, अमन जायसवाल, प्रजापति धर्मेंद्र, वीरेंद्र राव, शिव सागर बौद्ध, सुरेंद्र यादव, अनिरुद्ध सिंह, जय प्रकाश गौड़, विजय कुशवाहा, दरोगा कुँवर सिंह, संतोष कुमार राव, उग्रसेन राव, शैलेन्द्र वर्मा, उमापति सिंह, मिथिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

अनिल विज ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के दिए निर्देश

चंडीगढ़ : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज अपने निवास स्थान पर अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए नागरिकों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों में अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। टुंडला निवासी एक युवक ने मंत्री श्री विज को शिकायत दी कि एक एजेंट ने उसे क्रोएशिया भेजने के नाम पर लगभग डेढ़ लाख रुपये और उसके दस्तावेज ले लिए, लेकिन न तो विदेश भेजा और न ही राशि लौटाई। ऊर्जा मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कैंट थाना पुलिस को एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, प्रेम नगर निवासी व्यक्ति ने कुछ लोगों द्वारा उसकी दुकान पर कब्जा करने की कोशिश की शिकायत दी, जिस पर श्री विज ने कैंट थाना प्रभारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। बब्याल निवासी महिला ने बुढ़ापा पेंशन न लगने की शिकायत दी, जिस पर मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। ऐसे ही, हाउसिंग बोर्ड निवासी महिला ने बताया कि अपने पति की मृत्यु के बाद वह पति की दुकान में कॉस्मेटिक का सामान बेचकर जीवन यापन कर रही है, परंतु ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान कर रहे हैं। इस पर श्री विज ने कैंट पुलिस

को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।इसके अलावा, दयालबाग निवासी महिला ने घर से ढाई लाख रुपये चोरी होने, ट्रिब्यून कॉलोनी की बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा उत्पीड़न, बीडी फ्लोर मिल निवासी महिला ने घर का मीटर न लगने, छात्राओं ने बस पास बनवाने, धोबीघाट क्षेत्र में शेड लगाने और रामबाग रोड ग्वाल मंडी के लोगों ने मृत पशु उठाने से संबंधित शिकायतें दीं। इन सभी मामलों में मंत्री अनिल विज ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल के नवनियुक्त शक्ति प्रमुखों ने ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज से मुलाकात की और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है,
वे उसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से निभाएँगे। ऊर्जा मंत्री श्री विज ने नवनियुक्त शक्ति प्रमुखों को संगठन के प्रति समर्पण भावना से कार्य करने का आह्वान किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर ग्रामीण मंडल प्रधान विकास बहगल, महासचिव भरत कोछड़, किरणपाल चौहान, दीपक दीप, अनुज यादव, उद्यम सिंह, सचिन धीमान, रविंद्र सिंह, अमरनाथ, डिम्पल राणा, प्रेमनाथ, उमेद सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राधेश्याम ज्वेलर्स चोरी केस में बड़ी कामयाबी, पुलिस ने पति-पत्नी को मेरठ से किया गिरफ्तार

झज्जर : सिटी थाना क्षेत्र स्थित राधेश्याम ज्वेलर्स की दुकान से करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चोरी करने वाले दो आरोपियों को झज्जर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने जानकारी दी कि 27 अक्टूबर को सिटी थाना क्षेत्र के ज्वेलर राधेश्याम की दुकान में एक युवक और उसकी पत्नी ग्राहक बनकर पहुंचे थे। दुकान में चुटकी देखने के बहाने दोनों ने दुकानदार का ध्यान भटकाया और मौके का फायदा उठाकर सोने के आभूषणों से भरा एक डब्बा चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए डब्बे में लगभग 12 से 13 तोला सोना था, जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी दंपती की पहचान कर ली। टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए आरोपी कन्हैया लाल और

उसकी पत्नी राधा, दोनों निवासी उत्तर प्रदेश, को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों ने करीब दो महीने पहले भी यही ज्वेलरी शोरूम से पाजेब चोरी की थी। दोबारा वारदात को अंजाम देने के लिए दोनों ने 27 अक्टूबर को फिर दुकान पर पहुंचकर चोरी की योजना को पूरा किया। दोनों आरोपियों को झज्जर लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां आरोपी कन्हैया लाल को पुलिस रिमांड पर भेजा गया, जबकि उसकी पत्नी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि झज्जर पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिले की शांति या कानून व्यवस्था को भंग करने वाले किसी भी तत्व के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे नियमित रूप से चालू रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

वाटर पोलो खेल गेम्स में छाई करनाल की लड़कियां, राई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को 10-0 से हराया

बहादुरगढ़ : 27वें हरियाणा राज्य खेलों के अंतर्गत गुरुवार को बहादुरगढ़ में वाटरपोलो गेम्स के मुकाबले खेले गए। विमेंस कैटेगरी के पहले मुकाबले में करनाल की टीम ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई की टीम को एकतरफा मुकाबले में 10 - 0 के अंतर से हराया। करनाल की लड़कियां शुरूवात से ही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की टीम पर भारी रही।
मैच के पहले क्वार्टर में करनाल ने 2 गोल की बढ़त बनाई। दूसरे क्वार्टर में बढ़त को बढ़ाकर 5 गोल कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भी करनाल की टीम ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की टीम को ओर दबाव में रखा और बढ़त को 8 जीरो कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भी 2 गोल करते हुए करनाल की टीम ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की टीम को 0 के मुकाबले 10 गोल के अंतर से हराया। करनाल की टीम से नव्या ने 8 गोल किये। दिशु ढुल और मन्नू ने भी एक एक गोल किया। शहर की एचएल सिटी स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के स्विमिंग पूल पर वाटरपोलो की

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हो रही है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के मौके पर एचएल सीटी से अमित जून और भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि मौजूद रहे। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि मैन्स और विमेंस कैटेगरी वाटरपोलो में कुल 13 टीमें भाग ले रही हैं। मैन्स ग्रुप में जींद, झज्जर, सिरसा, शाह सतनाम शिक्षण संस्थान, करनाल, अम्बाला, सोनीपत और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई की टीमें भाग ले रही हैं। वहीं, विमेंस कैटेगरी में करनाल, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई, जींद, हिसार और शाह सतनाम शिक्षण संस्थान की टीमें भाग ले रही हैं। वाटर पोलो के मुकाबले शुक्रवार को भी जारी रहेंगे। शुक्रवार को ट्रायथलॉन के मुकाबले भी होंगे। ट्रायथलॉन में स्विमिंग, सायकलिंग और दौड़ का संगम होता है और जो एथलीट तीनों विधाओं में बेहतर टाइमिंग के साथ उम्दा प्रदर्शन करता है वही जीत हासिल करता है।

दादरी के शहीद बलजीत चौहान का अंतिम संस्कार, बड़े भाई ने दी मुखाग्नी, साल 2018 में जॉइन की सेना

चरखी दादरी : पंजाब के पठानकोट में कमांडो ट्रेनिंग के दौरान शहीद हुए बौंद कलां निवासी बलिदानी बलजीत चौहान का पार्थिव शव उनके पैतृक गांव पहुंचा। शव आने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में युवा बाइक लेकर खेरड़ी मोड़ पहुंचे और वहां से तिरंगा लगी बाइकों के जत्थे के साथ शव को गांव लाया गया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदेमातरम, शहीद बलजीत अमर रहे के नारे लगाए गए। उनकी अंतिम यात्रा में सांसद, विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए और उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। शहीद के बड़े भाई प्रीतन ने उनको मुखाग्नी दी और अपाहिज पिता विक्रम चौहान ने व्हील चेयर से पहुंचकर बेटे को

अंतिम विदाई दी। बता दें कि 25 वर्षीय बलजीत चौहान साल 2018 में भारतीय सेना में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। वे 13 पैरा कमांडो बटालियन में आगरा में तैनात थे। वर्तमान में वे पंजाब के पठानकोट में एनएसजी कमांडों की ट्रेनिंग के लिए गए हुए थे। उसी दौरान पानी में अभ्यास के दौरान वे शहीद हो गए। उनका पार्थिव शव एनएच 152डी से होते हुए गांव बौंद कलां लाया गया। इस दौरान भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, दादरी विधायक सुनील सांगवान, एसडीएम योगेश सैनी, डीएसपी धीरज कुमार व नायब तहसीलदार साहिल दलाल इत्यादि ने पार्थिव शव पर पुष्पाजंलि अर्पित कर नमन किया। बौंद कलां के सरकारी कालेज के सामने सैन्य सैनिक गार्ड ने हवा में गोलियां चलाकर सलामी दी और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।
शहीद के पिता व्हील चेयर से अंतिम विदाई देने पहुंचे और कहा कि बेटे ने देश के लिए कुबार्नी देकर परिवार व क्षेत्र का नाम ऊंचा कर दिया है। वहीं सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि शहीदों की बदौलत ही देश सुरक्षित है।
विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि उनके भी बेटा-बेटी फौज में हैं और एक पिता ही बेटा की शहादत का दर्द जान सकता है। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के युवाओं व विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक व दूसरे संगठनों से जुड़े लोगों ने उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर उन्हें नम आंखों से विदाई दी।

खेल रत्न पुरस्कार के लिए अब बधिर खिलाड़ी भी कर सकेंगे आवेदन, इस खिलाड़ी ने लगाई थी याचिका

हरियाणा : दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के चयन में बधिर खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाए। अदालत ने कहा कि सरकार एक निष्पक्ष चयन प्रणाली तैयार करे, जिससे दिव्यांग और विशेष रूप से बधिर खिलाड़ियों को समान अवसर मिल सके। यह आदेश हरियाणा के बधिर एथलीट वीरेंद्र सिंह उर्फ गूंगा पहलवान और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिकाकताओं ने कहा था कि वर्तमान नियमों में बधिर खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार के लिए आवेदन की अनुमति नहीं है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने केंद्र से कहा कि जब तक नए चयन मानदंड तैयार नहीं हो जाते, तब तक पुरस्कार के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए ताकि सभी खिलाड़ियों को भागीदारी का समान अवसर मिल सके।

निलंबित जज पर भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप, पद संभालने के कुछ ही समय बाद करोड़ों की संपत्ति खरीदी

पंचकूला : पंचकूला में स्टेट विजिलेंस और एंटी करप्शन ब्यूरो ने निलंबित CBI और एऊस्पेशल जज सुधीर परमार के खिलाफ गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों वाली चार्जशीट अदालत में दाखिल कर दी है। आरोप है कि परमार ने रियल एस्टेट

कंपनियों M3M, IREO और वाटिका समूह के मालिकों को अदालत में लाभ पहुंचाया और बदले में करोड़ों की संपत्तियां अपने और परिवार के नाम कर लीं। चार्जशीट के मुताबिक, परमार ने नवंबर 2021 में पंचकूला में जज का पद संभाला था और महज 3-4 महीनों के भीतर 7 से 8 करोड़ रुपये की संपत्तियां खरीद लीं। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह राशि उनकी आय से कहीं अधिक थी। रिपोर्ट में उल्लेख है कि परमार ने M3M समूह के मालिक रूप बंसल को फायदा पहुंचाने के लिए ED अधिकारियों से मिलीभगत की। ऑडियो रिकॉर्डिंग में वे कथित तौर पर यह कहते सुने गए कि उन्होंने ED अफसरों से जमीन जब्त न करने को लेकर बात कर ली है।परिवार के नाम पर करोड़ों की संपत्ति खरीदी चार्जशीट में यह भी सामने आया कि परमार के भतीजे अनम को M3M में कानूनी अधिकारी के रूप में नौकरी दिलाई गई और उसकी सैलरी असामान्य रूप से बढ़ा दी गई। परिवार के नाम पर गुरुग्राम में करोड़ों की संपत्तियां खरीदी गईं, जिनकी कीमत बाजार दर से कम दिखाई गई। परमार और उनके रिश्तेदारों द्वारा लग्जरी गाड़ियां और पेट्रोल पंप भी खरीदे गए। सरकार अब पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करा रही है।

फसल नुकसान का किसान को दिया 6 रुपये मुआवजा

डेस्कः महाराष्ट्र में फसल नुकसान के मुआवजे को लेकर किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। राज्य के कई जिलों में किसानों को केवल सिंगल या डबल डिजिट में मुआवजा राशि मिल रही है। ताजा मामला छत्रपति संभाजीनगर जिले की पैठण तहसील के दावरवाड़ी गांव का है, जहां किसान दिगंबर सुधाकर तांगड़े को भारी बारिश और बाढ़ से फसल बर्बाद होने पर सरकार से केवल 6 रुपये का मुआवजा मिला है। किसान दिगंबर तांगड़े के अनुसार, उनके पास 2 एकड़ जमीन है और अगस्त-सितंबर की भारी बारिश में उनकी पूरी फसल चौपट हो गई थी। सरकार ने इस नुकसान का मुआवजे के नाम पर सिर्फ 6 रुपये आए हैं। किसान ने भारी मन से कहा कि इस रकम से तो मैं एक कप चाय भी नहीं खरीद सकता।

तांगड़े ने कहा कि सरकार किसानों के साथ मजाक कर रही है। सरकार को शर्म आनी चाहिए, दो महीने से मुआवजे की उम्मीद थी और अब 6 रुपये भेजकर अपमान किया गया है। हमें कर्जमाफी चाहिए, न कि इस तरह की दिखावटी मदद। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में किसानों को कर्जमाफी दी गई थी, जबकि मौजूदा सरकार ने घोषणा तो की थी पर अब तक उस दिशा में कुछ नहीं हुआ।उद्धव ठाकरे के दौरे के दौरान सामने आया मामला यह मामला तब उजागर हुआ जब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे मराठवाड़ा क्षेत्र के दौरे पर थे और किसानों से बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान दिगंबर तांगड़े ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने यह भी कहा कि किसान दिन-प्रतिदिन बदहाल होते जा रहे हैं और सरकार केवल वादे कर रही है। पहले भी मिल चुकी है मामूली राहत यह कोई एकमात्र घटना नहीं है। हाल ही में अकोला जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत कई किसानों को 3 रुपये, 21 रुपये और 24 रुपये तक की मुआवजा राशि दी गई थी।
आक्रोशित किसानों ने इसे मजाक बताते हुए कलेक्टर दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और मुआवजे के चेक लौटा दिए थे।
राहत पैकेज के बावजूद आवंटन में गड़बड़ी राज्य सरकार ने पिछले महीने 31,628 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें फसल क्षति, मिट्टी कटाव, घरों और पशुशालाओं के नुकसान सहित अन्य मदों के लिए सहायता का प्रावधान किया गया था। लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को अब तक उचित राहत नहीं मिल पाई है।

यमुनानगर बस हादसाः अनिल विज ने दिए जांच के आदेश, कहा- दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

चंडीगढ़ : हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा है कि यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा यमुनानगर के प्रतापनगर में हुई दुखद बस दुर्घटना के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि हादसे की हर संभावना की जांच की जाए, चाहे वह बस की तकनीकी स्थिति से संबंधित हो या चालक की लापरवाही से। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर यदि गलती पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि आज सुबह यमुनानगर के प्रतापनगर में एक बस में चढ़ने के दौरान कुछ छात्राएँ फिसलकर नीचे गिर गईं, जिसमें एक छात्रा की मृत्यु हो गई तथा अन्य घायल हो गईं। घायल छात्राओं का उपचार जारी है।
विज का राहुल गांधी के बयान पर पलटवार
कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा यह आरोप लगाए जाने पर कि हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी करके भाजपा ने सरकार बनाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी जी का मेडिकल कराना चाहिए, क्योंकि जब वे यह बयान दे रहे थे, क्या वे ठीक थे?
उन्होंने कहा कि दो करोड़ वोटों में से 25 लाख वोटों को जाली बताने का अर्थ है कि कांग्रेस अब तर्क नहीं, भ्रम फैला रही है। विज ने सवाल उठाया कि अगर कहीं पर वोट गलत बने, तो कांग्रेस के पोलिंग एजेंट वहाँ क्या कर रहे थे? पोलिंग एजेंटों का काम ही है ऐसे मामलों को मौके पर चुनौती देना। उन्होंने कहा कि अब

कांग्रेस द्वारा चुनाव बीत जाने के बाद रोना, जनता को भ्रमित करने का प्रयास है।
अनिल विज का कांग्रेस पर कटाक्ष
अनिल विज ने आगे कहा कि हमें तो लगता है कि ये जाली वोट कांग्रेस ने खुद ही बनवा रखे हैं ताकि चुनाव हारने के बाद रोने का बहाना रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बिहार चुनाव में पहले से ही अपनी हार का अंदेशा है। इसलिए अब कांग्रेस रोने-धोने की पृष्ठभूमि तैयार कर रही हैं।

खबर एक्सप्रेस

पानीपत में भीषण सड़क हादसा, एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

पानीपत : नारायण के पास हुए भीषण सड़क हादसा हुआ। दरअसल, तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सैदापुर निवासी फारूक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सुनील

को प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, फारूक बढ़ई यानी कारपेंटर का काम करता था और किसी काम से नारायण के पास गया हुआ था। रास्ते में तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में फारूक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कार चालक पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पानीपत सिविल अस्पताल में रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक फारूक की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।हादसे को लेकर जांच अधिकारी ऋषि ने कहा कि तेज रफ्तार ने रास्ते में 2 लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसको रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया है।

वोट चोरी पर हु ड्डा का भाजपा पर तीखा हमला, बोले- राहु ल गांधी ने जो दिखाया वो छोटा हिस्सा

पानीपत : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रेस वार्ता के बाद हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पानीपत में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और विपक्ष दोनों पर जमकर निशाना साधा। हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने जो मुद्दा उठाया, वह तो केवल एक छोटा हिस्सा है, इससे भी बड़े पैमाने पर हरियाणा में वोटर

घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर हरियाणा में चुनाव प्रक्रिया से छेड़छाड़ हो सकती है, तो बिहार जैसे राज्यों में भी ऐसा संभव है, इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए। संपत सिंह के पार्टी छोड़ने के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि अंगूर नहीं मिले तो खट्टे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरी तरह असफल रहा है और आज किसान लागत भी नहीं निकाल पा रहे। इनेलो नेता अभय चौटाला पर तंज कसते हुए हुड्डा बोले कि जिनकी कभी एक सीट आती है, कभी दो, उन्हें बड़े दावे करने की आदत है। उनके यहां तो भैंस भी दूध न दे तो बोलेंगे हुड्डा ने नटवाई। वहीं अभय चौटाला के आईएस अधिकारी के साथ हुए विवाद पर उन्होंने कहा कि अफसरों को धमकाना अनुचित है, ज्ञापन शांति से देना चाहिए।

जिले में ओलावृष्टि से 300 एकड़ सरसों की फसल बर्बाद, कृषि विभाग तैयार कर रहा रिपोर्ट

सिरसा : सिरसा जिले में 2 दिन पहले हुई तेज बरसात और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा नुकसान गांव गदराना और आसपास के क्षेत्रों में हुआ है, जहां लगभग 300 एकड़ में लगी

सरसों की फसल प्रभावित हुई है। कृषि विभाग ने फसल नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और अधिकारियों की विशेष टीम गठित कर प्रभावित गांवों में भेजी जा रही है। कृषि उपनिदेशक डॉक्टर सुखदेव कंबोज ने बताया कि विभाग की रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसे उच्च अधिकारियों और सरकार को भेजा जाएगा ताकि किसानों को मुआवजा दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिले में अभी लगभग 45% धान की कटाई बाकी है और किसान इस बार फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर अधिक जागरूक नजर आ रहे हैं।कंबोज ने बताया कि इस सीजन में केवल 10 स्थानों पर पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिन पर कार्रवाई करते हुए संबंधित किसानों पर जुमार्ना और ऋफ्फ़दर्ज की गई है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अवशेषों को आग न लगाएं और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

अब चंडीगढ़ में मिलेगी यूरोप वाली ये सु विधा, तैयारी शु रू

चंडीगढ़ः देश भर के हवाई अड्डों पर इस्तेमाल होने वाले सुरक्षा उपकरणों को अब हॉलमार्किंग के लिए यूरोप भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (अअक) ने चंडीगढ़ के पुराने हवाई अड्डे पर हवाई अड्डा सुरक्षा उपकरण प्रयोगशाला स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, फिलहाल हवाई अड्डों पर उपयोग में आने वाले सुरक्षा उपकरण भारत में ही निर्मित होते हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता जांच (हॉलमार्किंग) के लिए अब तक उन्हें यूरोप भेजना पड़ता था। इस पहल के बारे में शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीईओ अजय वर्मा ने बताया कि एक प्रस्ताव तैयार कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। मंजूरी के बाद इस प्रोजेक्ट पर जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

हरियाणा के इस जिले में फैली खतरनाक बीमारी, मिले संदिग्ध केस

डेस्कः सर्दियां शुरू होते ही लंपी का खतरा बढ़ गया है। जानकारों के मुताबिक हरियाणा के हिसार में लंपी के कुछ संदिग्ध केस मिलने की खबर है. जिसके बाद जिले का पशुपालन विभाग सक्रिय हो गया है। वहीं पशुपालकों को खासतौर से गायों की देखभाल के संबंध में एडवाइजरी जारी की जा रही है. वैक्सीनेशन को लेकर भी जागरुक किया जा रहा है। लंपी के असर से बचाने के लिए गायों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। साथ ही खासतौर पर कुछ दिनों के लिए गौशाला और गोअभारण्य के लिए अलग से नियम बनाए गए हैं. पशुपालन विभाग ने फील्ड टीम को डाटा जमाकर रिपोर्ट मांगी गई हैं। रिपोर्ट के बाद ही लंपी से निपटने के लिए रणनीति बनाई जाएगी. अभी के लिए गौशाला और अभारण्य में में आने वाली गायों को अलग रखने के निर्देश दिए गए हैं। लंपी फैलने का खतरा हो तो अपनाए ये टिप्स बीमार पशुओं को फौरन अलग कर दें. बीमार पशुओं का डाक्टर की सलाह पर उपचार शुरू कर दें. चार्ट के मुताबिक सभी पशुओं का समय पर वैक्सीनेशन कराएं. पशुओं के बाड़े में साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखें. पशुओं के बाड़े में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करें। पशुओं के घाव हो रहे हों तो उन्हें एंटीसेप्टिक से साफ करें. पशुओं के घाव पर फ्लाई-रिपेलेंट दवाई लगाएं. सभी पशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं. पशुओं को दवाई दिए जाने और वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड रखें. मक्खी, मच्छर, जूं और किलनी से बचाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करें. बीमार पशु को पौष्टिक चारा, मिनरल मिक्सचर और साफ पानी पिलाएं. संक्रमित पशु के बर्तन, रस्सी, दूध निकालने के उपकरण अलग रखें. बीमार पशु को अच्छी छांव और हवादार जगह पर ही रखें. लंपी पीड़ित पशु की मौत हो जाए तो उसके शव को गड्ढे में चूना डालकर गाड़ दें. जहां भी लंपी बीमारी दिखाई दे तो फौरन पशु-चिकित्सक को सूचना दें.

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के लुइसविले में मालवाहक जहाज दुर्घटनाग्रस्त, सात की मौत कई अन्य घायल; खाली कराया गया इलाका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी में एक कार्गो विमान (मालवाहक जहाज) क्रैश हो गया है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि कार्गो विमान मंगलवार शाम को लुइसविले के मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ विमान मैकडॉनेल डगलस एमडी-11 था। विमान लुइसविले से होनुलुलु जा रहा था। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अधिकारियों को हादसे की जगह तैनात किया गया है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि विमान हादसे में सात लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। घायलों की स्थिति को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मरने वालों में तीन क्रू सदस्य और चार अन्य लोग शामिल हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां पेट्रोलियम संशोधन कंपनी का परिसर है। हादसे के बाद आग अभी भी लगी हुई है, जिसे बुझाने की कोशिशें जारी हैं। प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने की अपील की और साथ ही लोगों से हादसे वाली जगह से दूर रहने की भी अपील की। हादसे के बाद लुइसविले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे का शिकार हुआ विमान यूपीएस (यूनाइटेड पार्सल सर्विस) द्वारा संचालित किया जा रहा था। मैकडॉनेल डगलस कंपनी ने इस विमान का निर्माण किया था, बाद मैकडॉनेल डगलस कंपनी का बोइंग ने अधिग्रहण कर लिया था। हादसे का शिकार हुआ विमान 34 साल पुराना था। पहले ये विमान थाई एयरवेज के पास था, लेकिन साल 2006 में यूपीएस ने इसे खरीद लिया था। अधिकारी हादसे की जांच में जुटे हैं। अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने सोशल मीडिया पर हादसे की वीडियो साझा की है और लिखा कि हादसे की डरावने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं।

अमेरिकी सेना ने प्रशांत महासागर में 16वीं बार की ड्रग तस्करों पर स्ट्राइक, दो की मौत; सैन्य तैनाती बढ़ाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को एक और ड्रग तस्करी में शामिल नाव पर घातक हमले की घोषणा की। यह हमला पूर्वी प्रशांत महासागर में हुआ, जिसमें नाव पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। यह ट्रंप प्रशासन की ड्रग तस्करी विरोधी अभियान की 16वीं बड़ी कार्रवाई है। अब तक इन हमलों में कम से कम 66 लोगों की मौत हो चुकी है। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा हम अमेरिका में जहर फैलाने वाले हर ड्रग तस्कर और उनकी नौकाओं का अंत करेंगे। सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक नाव को हवा में उड़ते हुए दिखाया गया है। वीडियो में नाव को आग की लपटों में घिरा हुआ भी देखा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि अमेरिका ड्रग कार्टेल्स के साथ सशस्त्र संघर्ष में है और दावा किया कि ये नावें विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा चलाई जाती हैं। हालांकि, प्रशासन ने अब तक इस दावे के ठोस सबूत पेश नहीं किए हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने प्रशासन से इस अभियान और इसके कानूनी आधार पर अधिक जानकारी देने की मांग की है। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड भूमध्य सागर छोड़कर कैरिबियाई क्षेत्र की ओर रवाना हो गया है। इसके साथ कई विध्वंसक जहाज भी तैनात किए जा रहे हैं। यह कदम लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को और मजबूत करने की दिशा में देखा जा रहा है। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि फोर्ड के साथ विध्वंसक जहाज यूएसएस बैनब्रिज भी अटलांटिक महासागर में प्रवेश कर चुका है।

फ्लोरिडा में 1984 दुष्कर्म मामले का आरोपी अपहरण का भी दोषी

फ्लोरिडा, एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा में 1980 के दशक में कई दुष्कर्म मामलों में संदिग्ध पिलोकेस रेपिस्ट के नाम से कुख्यात रॉबर्ट कोहलर (66) को मियामी-डेड काउंटी की जूरी ने यौन उत्पीड़न, अपहरण और चोरी के आरोप में दोषी ठहराया। हालांकि, इस पर 24 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। मामला 1984 का है, जब 22 वर्षीय महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। कोहलर को 1983 की एक समान घटना में पहले ही 17 साल की सजा मिल चुकी है।

बकिंघम पैलेस में अगले साल रानी एलिजाबेथ-2 की फैशन प्रदर्शनी

बकिंघम, एजेंसी। बकिंघम पैलेस में अगले वर्ष दिवंगत रानी एलिजाबेथ द्वितीय की अब तक की सबसे बड़ी फैशन प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जो उनके जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में होगी। 10 अप्रैल से 18 अक्तूबर 2026 तक आयोजित प्रदर्शनी में लगभग 200 परिधान प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें से आधे पहले कभी नहीं दिखाए गए। इसमें रानी की शादी और राज्याभिषेक की पोशाकें भी शामिल होंगी। रानी एलिजाबेथ का निधन सितंबर 2022 में 96 वर्ष की आयु में हुआ था।

भारतीय मूल के दो मुसलमान अमेरिका में छाए; गजाला हाशमी गवर्नर और ममदानी बने मेयर, ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में इस समय दो बड़ी और ऐतिहासिक घटना देखने को मिली है। भारतीय मूल के दो मुसलमान नेताओं ने महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जीत दर्ज की है। हैदराबाद में जन्मी डेमोक्रेट भारतीय मूल की गजाला हाशमी ने वर्जीनिया लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने रिपब्लिकन जॉन रीड को हराया। इस जीत के साथ, हाशमी वर्जीनिया राज्यव्यापी पद जीतने वाली पहली मुस्लिम और पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी बन गई हैं। हाशमी वर्तमान में 15वें सेनेटोरियल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए वर्जीनिया सीनेट में काम कर रही हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में उनकी इस जीत का मतलब है कि उनकी सीनेट सीट को भरने के लिए एक विशेष चुनाव आयोजित करना होगा।

गजाला हाशमी ने 2019 में राजनीति में प्रवेश किया और एक आश्चर्यजनक जीत में, उन्होंने रिपब्लिकन-शासित राज्य सीनेट सीट को पलट दिया और वर्जीनिया जनरल असेंबली के लिए चुनी गईं। पांच साल बाद 2024 में उन्हें सीनेट शिक्षा और स्वास्थ्य समिति का अध्यक्ष नामित किया गया। हाशमी की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रयास समर्पित किए हैं, जिसमें आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरणीय न्याय में असमानता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गजाला हाशमी का जन्म 1964 में हैदराबाद में जिया हाशमी और तनवीर हाशमी के घर हुआ था। वह चार साल की थीं जब वह अपनी मां और बड़े भाई के साथ भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं। उनके पिता प्रोफेसर जिया हाशमी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र थे। यहां से उन्होंने एमए और एलएलबी किया। उन्होंने दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय संबंध में पीएचडी पूरी की। उनकी मां तनवीर हाशमी उस्मानिया विश्वविद्यालय के महिला कॉलेज, कोठी से बीए और बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की। हाशमी ने अपनी हाई स्कूल कक्षा में वैलडिक्टोरियन के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और कई पूर्ण छात्रवृत्ति और फेलोशिप प्राप्त की। उन्होंने जॉर्जिया सदर्न यूनिवर्सिटी से ऑनर्स के साथ बीए और अटलांटा में एमोरी यूनिवर्सिटी से अमेरिकी साहित्य में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

कौन हैं ममदानी : न्यूयॉर्क शहर को नया मेयर मिला है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने दो दो उम्मीदवारों को मात देकर यह उपलब्धि अपने नाम की है। चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका विरोध किया था। ट्रंप ने तो ममदानी के चुनाव जीतने पर न्यूयॉर्क शहर को केंद्रीय फंड नहीं देने तक की धमकी दे दी थी। उन्होंने दो प्रमुख दावेदारों को हराया दिनमें निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा शामिल हैं। ममदानी 34 साल के हैं और न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उनका जन्म युगांडा में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ। वह भारतीय मूल के हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनकी मां प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर हैं और उनके पिता महमूद ममदानी हैं। पिता उनके मुस्लिम थे।

मां हिंदू, पिता मुस्लिम : भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने दो दो उम्मीदवारों को मात देकर यह उपलब्धि अपने नाम की है। चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका विरोध किया था। ट्रंप ने तो ममदानी के चुनाव जीतने पर न्यूयॉर्क शहर को केंद्रीय फंड नहीं देने तक की धमकी दे दी थी। उन्होंने दो प्रमुख दावेदारों को हराया दिनमें निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा शामिल हैं। आपको बता दें कि ममदानी 34 साल के हैं और न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उनका जन्म युगांडा में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ। वह भारतीय मूल के हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनकी मां प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर हैं और उनके पिता महमूद ममदानी हैं। पिता उनके मुस्लिम हैं।

कौन हैं मीरा नायर : मीरा नायर का जन्म 1957 में राउरकेला में हुआ था। वह एक जानी-मानी फिल्ममेकर हैं जो पहचान, माइग्रेशन और कल्चरल इंटरसेक्शन को एक्सप्लोर करने के लिए जानी जाती हैं। हार्वर्ड से ग्रेजुएट करने वाली मीरा नायर की पहली फिल्म सलाम बॉम्बे! (1988) ने कान में कैमरा डी'ओर जीता और ऑस्कर नॉमिनेशन भी मिला। उनकी बाद की फिल्में मिसिसिपी मसाला (1991), मॉनसून वेडिंग (2001) और द नेमसेक (2006) ने कहानी कहने के तरीके को सोशल इनसाइट के साथ मिलाने के लिए उनकी रेप्युटेशन को और मजबूत किया।

किम जोंग उन के देश में दूतावास खोलने की प्लानिंग में पाक, क्यों भारत को हो सकती है आपत्ति

इस्लामाबाद, एजेंसी। किम जोंग उन के शासन वाले उत्तर कोरिया में पाकिस्तान दोबारा अपना दूतावास खोलने पर विचार कर रहा है। खबर है कि इस संबंध में पाकिस्तान को प्योंगयांग से एक संदेश भी मिला है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान और चीन समेत कई देश परमाणु हथियारों की टेस्टिंग कर रहे हैं। भारत कई बार पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच संदिग्ध परमाणु संबंधों की बात उठाता रहा है। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद को उत्तर कोरिया से एक संदेश मिला है, जिसमें डिप्लोमैटिक मिशन खोलने का अनुरोध किया गया है। कोविड के बाद से ही उत्तर कोरिया में पाकिस्तान का दूतावास बंद है। वहीं, मौजूदा प्रस्ताव पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। डार ने संसद में पूछे गए सवाल में बीते महीने कहा था कि डीपीआरके यानी डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया पर लगे कई प्रतिबंधों के कारण दो देशों में सहयोग संभव नहीं था। उन्होंने कहा था, 'पाकिस्तान और डीपीआरके के बीच व्यापार वर्चुअली कम ही है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण रास्तों से कोरिया की एकजुटता का समर्थन करना जारी रखेगा। भारत को है आपत्ति? साल 2017 में नई दिल्ली ने प्योंगयांग के नेटवर्क की औपचारिक जांच की मांग की थी। 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था कि 'हमारे क्षेत्र में डीपीआरके के परमाणु और मिसाइल तकनीकों की बढ़ती संख्या पर बात किए जाने की तत्काल जरूरत है।' साथ ही कहा गया था कि ऐसी गतिविधियां भारत समेत शांति और सुरक्षा को प्रभावित करती है। ट्रंप का दावा डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने बीते गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ 'बराबरी के आधार' पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर को और शक्ति के संकेत, 27वां सांविधानिक संशोधन करेगी सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जल्द ही 27वां सांविधानिक संशोधन संसद में पेश करेगी। इस कदम से देश में यह आशंका पैदा हो गई है कि सरकार प्रांतों की स्वायत्तता को सीमित कर सकती है। संविधान में बदलाव की घोषणा उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की, जिन्होंने पुष्टि की कि यह संशोधन संसद में लाया जाएगा। डार ने कहा, सरकार 27वां संशोधन लाने जा रही है और इसे संसदीय नियमों, कानूनों और संविधान के अनुरूप पेश किया जाएगा।

इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक पोस्ट में दावा किया था कि सरकार ने इस संशोधन पर समर्थन के लिए उनसे संपर्क किया है। वहीं, विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने संशोधन को लेकर पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। डार ने आश्वासन दिया कि संशोधन को जल्दबाजी या बिना प्रक्रिया के पारित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित संशोधन पहले सीनेट में पेश किया जाएगा और फिर दलीय समिति को विचार के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस संशोधन के तहत एक सांविधानिक न्यायालय की स्थापना, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव, सशस्त्र बलों से जुड़े धारा 243 में संशोधन, प्रांतों के वित्तीय हिस्से में कटौती, और शिक्षा व जनकल्याण मंत्रालयों का नियंत्रण केंद्र सरकार को देने का प्रस्ताव शामिल है। पीपीपी के वरिष्ठ नेता रजा रब्बानी ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह संशोधन 18वें संशोधन से मिली प्रांतीय स्वायत्तता को कमजोर करेगा। 2010 में पारित 18वें संशोधन ने केंद्र से कई अधिकार प्रांतों को हस्तांतरित किए थे। संविधान में संशोधन पारित करने के लिए सरकार को नेशनल असेंबली (336 सदस्य) और सीनेट (96 सदस्य) दोनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। सरकार के पास नेशनल असेंबली में पर्याप्त संख्या है, लेकिन सीनेट में उसे बहुमत के लिए कम से कम तीन विपक्षी सदस्यों का समर्थन चाहिए होगा।

तूफान कलमागी का कहर! फिलीपींस में 52 की मौत, 13 लापता; भूकंप से उबर रहे प्रांत में मची भारी तबाही

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में आए शक्तिशाली तूफान 'कलमागी' ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों के अनुसार अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सेबू प्रांत में हुआ है, जो हाल ही में एक भीषण भूकंप से उबरने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि तेज बारिश और बाढ़ के कारण कई लोग अपने घरों की छतों पर फंस गए। रेड क्रॉस को सैकड़ों कॉल्स आईं, जिनमें लोगों ने मदद की गुहार लगाई। सेबू की गवर्नर पामेला बारिकुआत्रो ने कहा हमने बचाव के लिए पूरी तैयारी की थी, लेकिन अचानक आई फ्लैश फ्लड ने सब कुछ बदल दिया। उन्होंने यह भी माना कि लंबे समय से हो रहे खनन और घटिया बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं ने स्थिति और बिगाड़ दी। राहत मिशन के दौरान हादसा तूफान से प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने जा रहे फिलीपींस एयरफोर्स के एक हेलीकॉप्टर के अगुसान डेल सुर प्रांत में क्रैश होने से छह जवानों की मौत हो गई। सुपर ह्यूई हेलीकॉप्टर दक्षिणी अगुसान डेल सुर प्रांत के लोरेटो शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पूर्वी मिनडानाओ सैन्य कमान ने अपने एक शुरुआती बयान में कहा था कि हेलीकॉप्टर में सवार वायु सेना कर्मियों को ढूंढने के प्रयास जारी हैं, जो तूफान प्रभावित प्रांतों में मानवीय मदद देने के लिए तैनात किए गए थे। एबीएस-सीबीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलीकॉप्टर हादसे में सवार छह कर्मियों की मौत हो गई है। भारी बारिश और बाढ़ का कहर सेबू में नदी और नाले उफान पर हैं। कई इलाकों में घर बाढ़ में बह गए। प्रशासन ने प्रांत को 'राज्य आपदा क्षेत्र' घोषित कर दिया है ताकि राहत फंड का उपयोग तेजी से किया जा सके। भूकंप से बेघर हजारों लोगों को पहले ही मजबूत आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान बच गई। सेबू की गवर्नर ने घटिया निर्माण कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा यहां की बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं की जांच होनी चाहिए। जिनकी वजह से लोगों की जान गई, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए। 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं तूफान कल्मेगी बुधवार को पालावन द्वीप के तटीय इलाकों के ऊपर था, जहां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। मौसम विभाग के अनुसार तूफान साउथ चाइना सी की ओर बढ़ रहा है। अब तक 3,87,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 186 उड़ानें रद्द की गई हैं। करीब 3,500 यात्री और ट्रक ड्राइवर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। फिलीपींस हर साल लगभग 20 तूफानों और कई भूकंपों का सामना करता है।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा, तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग, एजेंसी। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली : चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला-बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी।

अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं। शेनझोउ-20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इस बीच, चीन ने हाल ही में शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान के जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है।

2030 तक चीनी अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की तैयारी : इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने बताया था कि फिलहाल इंसानों को चंद्रमा पर भेजने से जुड़ी सभी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। लॉन्ग मार्च-10 रॉकेट, चंद्र लैंडिंग सूट और एक्सप्लोरेशन व्हीकल जैसी परियोजनाएं जबरदस्त ढंग से आगे बढ़ रही हैं।

पाकिस्तान में मिले 1200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष, आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात से तक्षशिला तक फैले आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज इस क्षेत्र में चल रहे उत्खनन और अन्वेषण कार्य के दौरान हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्राचीन स्थलों की इस खोज में बौद्ध धर्म और शाही हिंदूवादी राजवंश से जुड़े कई पुरातात्विक अवशेष भी मिले हैं। अन्वेषण में बुद्ध की कई मूर्तियां व एक विशाल स्तूप व स्वात के बारिकोट में करीब 1,200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष भी मिले हैं। इतालवी पुरातत्वविदों द्वारा खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व निदेशालय के सहयोग से की गई इन खोजों को पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सफलता मान रहा है। इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा कि बारिकोट (प्राचीन बजीरा) में उत्खनन के दौरान छोटे मंदिर के अवशेष उस वक्त की हिंदू शैली व परंपरा की बेजोड़ गवाही पेश करते हैं। मंदिर के अवशेषों में स्वात के बारिकोट क्षेत्र की सतत सांस्कृतिक व सभ्यतागत विरासत के दुर्लभ प्रमाण मिलते हैं। ये खोजें पाषाण युग से लेकर सिकंदर, बौद्ध धर्म, हिंदू शाही राजवंश, यूनानी युग व इस्लामी काल तक फैली हुई हैं। स्वात के टोकरदरा में उत्खनन में बौद्ध काल के अहम अवशेष मिले हैं। इन खोजों में बुद्ध की मूर्तियां व विशाल स्तूप शामिल हैं।

उत्खनन क्षेत्र का अब स्वात नदी की तरफ विस्तार : इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा, हिंदू मंदिर और आसपास की पुरातात्विक परतों के चारों तरफ एक सुरक्षात्मक बफर जोन स्थापित करने के लिए उत्खनन क्षेत्र का अब स्वात नदी की ओर विस्तार किया गया है। खैबर पथ परियोजना नाम से जानी जाने वाली इस तीन वर्षीय पहल के तहत, 400 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

50 से ज्यादा पुरातात्विक स्थल : अब तक खैबर पख्तूनख्वा में 50 से अधिक पुरातात्विक स्थलों की खोज हुई है। ये हालिया खोजें गांधार सभ्यता की ऐतिहासिक भव्यता को बताते हैं। इनमें स्वात घाटी के समृद्ध सांस्कृतिक महत्व का वैभव दिखता है। ये स्थल धार्मिक पर्यटन व शैक्षणिक अनुसंधान, के लिए अमूल्य विरासत बन सकते हैं। इनसे पता चलता है कि इस्लामी संस्कृति के विकास से पहले हिंदू व बौद्ध सभ्यता कितनी भव्यता लिए हुए थी।

अमेरिका के केंटकी में कार्गो प्लेन क्रैश: 7 की मौत, डेढ़ लाख लीटर तेल फैला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी राज्य में बुधवार को लुईविल में एक कार्गो प्लेन क्रैश हो गया है। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कम से कम 11 के घायल होने की खबर है। फेडरल एविएशन अथॉरिटी (एफएए) के मुताबिक, यूपीएस कंपनी की फ्लाइट 2976 ने मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से होनोलुलु (हवाई) के डेनियल इनौये इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी।

एफएए ने बताया कि यह हादसा शाम करीब 5:15 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में तेज आग और मलबा दिखाई दे रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक विमान में करीब 38,000 गैलन ईंधन (करीब डेढ़ लाख लीटर तेल) भरा हुआ था, जो धमाके के बाद आग की लपटों में बदल गया।

पुलिस ने एयरपोर्ट से 8 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को घर के अंदर रहने का आदेश दिया है। साथ ही, एयरपोर्ट को फिलहाल बंद कर दिया है।

हादसे वाली जगह पर अभी भी आग लगी है : लुईविल पुलिस (एलएमपीडी) ने कहा कि हादसे वाली जगह पर अभी भी आग लगी हुई है और मलबा फैला है। शुरुआती जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि हो सकता है प्लेन में लिथियम बैटरियों से आग लगी हो, ठीक वैसे ही जैसे 2010 में यूपीएस फ्लाइट 6 के हादसे में हुआ था। यूपीएस कंपनी ने बताया कि विमान में तीन क्रू मेंबर थे।

दावा- प्लेन में 95 हजार लीटर फ्यूल भरा था : मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विमान में करीब 25,000 गैलन (95 हजार लीटर) जेट फ्यूल भरा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैल गई। यह विमान मैकडॉनेल डगलस एमडी-11 मॉडल था और यूपीएस वर्ल्डपोर्ट सुविधा के पास गिरते ही धमाके के साथ आग का गोला बन गया। यह मॉडल पहले 1990 में एक यात्री विमान के तौर पर लॉन्च हुआ था, लेकिन ईंधन की बढ़ती लागत की वजह से बाद में इसे कार्गो विमान में बदल दिया गया। यह विमान करीब 2.8 लाख किलो वजन लेकर उड़ान भर सकता है और इसमें 38,000 गैलन (लगभग 1.44 लाख लीटर) तक ईंधन भरा जा सकता है।

एयरपोर्ट पर 12 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं : यह एयरपोर्ट यूपीएस कंपनी का मेन सेंटर है, जहां 12,000 से ज्यादा कर्मचारी रोजाना 20 लाख पार्सल संभालते हैं। यह सेंटर 50 लाख वर्ग फीट में फैला है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर तुरंत पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया है। यूपीएस एयरलाइंस ने कहा कि कंटकी विमान के बारे में नई जानकारी मिलने पर अपडेट शेयर किया जाएगा। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दोनों मिलकर इस हादसे की जांच कर रहे हैं। यह एयरपोर्ट यूपीएस वर्ल्डपोर्ट के नाम से जाना जाता है, जो कंपनी का सबसे बड़ा सेंटर है।

भारतीय टीम ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

-प्लेयर ऑफ द मैच : अक्षर पटेल

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल की है। इस मैच में भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 168 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 18.2 ओवर में 119 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल मार्श ने सबसे अधिक 30 रन बनाए जबकि मैथ्यू शॉर्ट 25 रन बनाकर आउट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 17 रन जबकि टिम डेविड ने 14 रन बनाये। भारतीय टीम की कोर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए। वहीं अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक एक विकेट मिला। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं अंतिम मैच 8 नवंबर को गाबा मैदान में खेला जाएगा। अब देखना है कि भारतीय टीम उसे जीतकर सीरीज अपने नाम कर पाती है या नहीं। बहरहाल सीरीज हारने का खतरा अब समाप्त हो गया है।

इससे पहले शुभमन गिल के 46 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 167 रन बनाए। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज। अभिषेक शर्मा और शुभमन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन बनाये। अभिषेक 28 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शुभमन ने स्कोर आगे बढ़ाया। शुभमन ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो छक्के लगाकर 20 रन बनाये। वहीं शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की सहायता से 22 रन बनाए। वहीं अंत में अक्षर पटेल ने तेजी से खेलते हुए 11 गेंदों में एक छक्का और एक चौका लकाकर 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम ज़म्पा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम ने चार बदलाव करते हुए स्पिनर जम्पा, ऑलराउंडर मैक्सवेल, फिलिप और ड्वार्शियस को शामिल किया। वहीं भारतीय टीम ने कोई बदलाव नहीं किया।

ईडी ने रैना और शिखर की 11.14 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों के कारण पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली हैं। इनमें रैना के 6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और धवन की 4.5 करोड़ की अचल संपत्ति शामिल हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून (पीएलएलए) 2002 के तहत की गई है।

ये मामला कई राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद उठा था। जिनमें एक अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसके सहयोगी ब्रांड्स के खिलाफ धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और ऑनलाइन जुए को बढ़ावा देने के आरोप थे। इन एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जब जांच शुरू की तो शुरुआती जांच में ही करोड़ों रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन और विदेशी खातों से जुड़े दस्तावेज मिले.

ईडी की जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म बिना किसी वैध अनुमति के ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का कारोबार कर रहे थे। यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो और समाचार पोर्टलों पर सोरोगेट विज्ञापन दिखाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। रकम एकत्र करने के लिए हजारों म्यूल अकाउंट्स बनाए गए, जिनमें देशभर के लोगों के नाम पर पैसे जमा किए जाते थे। इन खातों के जरिये रकम विभिन्न पेमेंट गेटवे के माध्यम से विदेशी खातों तक पहुंचाई जाती थी जिससे पैसा कहां से आया ये छुपाया जा सके। ईडी की जांच में पता चला कि दोनों खिलाड़ियों ने विदेशी कंपनियों के साथ करार किये थे। जो सीधे या परोक्ष रूप से अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े थे। इन डील्स के बदले खिलाड़ियों को जो भुगतान किया गया, वह विदेश से किया गया जिससे कि ये लगे कि उन्हें प्रमोशन के लिए रकम मिली है पर ईडी के अनुसार ये रकम दरअसल अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे से जुड़ी थी। इससे यह साबित हुआ कि खिलाड़ियों ने ऐसे प्रमोशन में भाग लिया जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आते हैं.

इसी को देखते हुए ईडी ने चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारकर 4 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की है और 60 से ज्यादा बैंक खातों को सील कर दिया। है. जांच में अब तक 1000 करोड़ रुपये की रकम सामने आई है। ईडी के अनुसार अभी कई और हस्तियां भी जांच के दाये में आ सकती हैं। ईडी ने जनता को आगाह किया है कि वे किसी भी तरह की ऑनलाइन सट्टेबाजी, संदिग्ध लिंक या स्कीमों से दूर रहें।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए विराट और रोहित को नहीं मिली भारत ए टीम में जगह

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है।

इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनो को ही झटका लगा है कयोंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं।

रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं।

दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहें हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं। इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे रोहित ने लंबे ब्रेक के बाद भी शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में विराट कोहली खाता तक नहीं खोल पाए थे पर अंतिम मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तीसरे एकदिवसीय में विराट और रोहत ने शानदार साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी थी।

भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज, डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी हुए रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स ने लॉरा वुलफार्ट को रिटेन न करने का बड़ा फैसला लिया है क्योंकि सभी 5 टीमों ने WPL नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने की पुष्टि कर दी है। वुलफार्ट हाल ही में संपन्न हुए एकदिवसीय विश्व कप में शीर्ष स्कोरर रहीं और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन नियमों के अनुसार केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता है, इसलिए जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को चुना।

रिपोर्ट के अनुसार वुलफार्ट के अलावा, एक और बड़ा नाम जिसे रिटेन नहीं किया गया है, वह हैं भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। विश्व कप विजेता ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

दीप्ति ने 2024 में WPL में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी जीता था। उम्मीद के मुताबिक, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी अन्य बड़ी भारतीय स्टार खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर, हेली मैथ्यूज, नैट-स्किवर ब्रंट, जी. कमलिनी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी, श्रेयंका पाटिल

गुजरात जायंट्स : एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी

यूपी वारियर्स : श्वेता सहरावत

दिल्ली कैपिटल्स : एनाबेल सदरलैंड, मारिजान काप, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, निकी प्रसाद

जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स को नशे की लत भारी पड़ी, टीम से भी बाहर हुए

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर सीन विलियम्स को नशे की लत के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की ओर से 273 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले सीन विलियम्स के नाम पर अब जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड (जेडसी) विचार नहीं करेगा। इसके साथ ही उनका केन्द्रीय अनुबंध भी रिन्यू नहीं होगा। वहीं जेडसी ने कहा कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं। 39 वर्षीय सीन विलियम्स ने 20 साल से ज्यादा के अंतरराष्ट्रीय करियर में जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 273 मैच खेले हैं पर जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि उनका अनुबंध 2025 के बाद आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। विलियम्स ने हाल ही में पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर से पहले निजी कारणों से टीम से नाम वापस ले लिया था। बोर्ड ने कहा कि जब उन्होंने उनकी अनुपलब्धता का कारण जानने के लिए एक आंतरिक जांच की थी तो विलियम्स ने बोर्ड को बताया कि वह नशीली दवाओं की आदत से परिशान हैं और पुनर्वास केंद्र में भर्ती हुए हैं। गौरतलब है कि साल 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 37.53 की औसत से 5217 रन बनाए, जिसमें आठ शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 विश्व कप 2026 फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद, पांच स्थल टूर्नामेंट की मेजबानी की दौड़ में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा। आईसीसी, बीसीसीआई और पीसीबी के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे।

आईपीएल 2026 सत्र में भी धोनी खेलेंगे : कासी विश्वनाथ

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कार्यकारी कासी विश्वनाथ ने कहा है कि आईपीएल 2026 सत्र में भी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावनाएं हैं। इसी के साथ ही धोनी के आईपीएल से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लग गया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि धोनी अब भी खेल में बने रहना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक यूट्यूब चैनल पर जब प्रशंसकों ने कासी से धोनी के भविष्य को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि वह अभी आईपीएल से संन्यास नहीं ले रहे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि धोनी आखिर कब संन्यास लेंगे, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, मैं उनसे पूछकर बताता हूं। आईपीएल का पिछला सत्र सीएसके और धोनी के लिए काफी खराब रहा था। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पायी थी और पहली बार अंक तालिका में सबसे नीचे रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के सत्र में ही चोटिल होने के बाद धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी हालांकि उनके कमान संभालने के बाद भी टीम का प्रदर्शन सुधर नहीं पाया। वहीं कासी ने कहा, हम जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। यह तय नहीं कि ट्रॉफी मिलेगी पर हमारी तैयारी पूरी है। हम इस बार अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने अब तक पांच आईपीएल खिताब जीते हैं।

अभिषेक की निडर बल्लेबाजी पर युवराज बोले, गंभीर-सूर्यकुमार ने दिया गैरी कर्स्टन जैसा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने खेल के दिनों और युवा बाएँ हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के उदय के बीच तुलना की है और उस सपोर्ट सिस्टम की तारीफ की है जो इस युवा खिलाड़ी को आज़ादी और आक्रामकता के साथ बल्लेबाज़ी करने में मदद करता है। 2011 विश्व कप विजेता ने कहा कि अभिषेक का निडर रवैया मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा नेतृत्व समूह के मज़बूत समर्थन का नतीजा है।

युवराज ने बताया कि यह माहौल उन्हें उस माहौल की याद दिलाता है जिसने कोच गैरी कर्स्टन के नेतृत्व में उनके करियर को आकार देने में मदद की थी। युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि निडरता कोच और कप्तान के सहयोग से भी आती है। जब कोच और कप्तान आपको खुलकर खेलने की अनुमति देते हैं, तो आप खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त कर पाते हैं। गैरी कर्स्टन के कोच रहते हुए मैंने भी यही अनुभव किया था–उन्होंने हमेशा मुझसे कहा था कि अगर मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलूँगा, तो मैं भारत को जीत की स्थिति में पहुँचा दूँगा। युवराज ने आगे कहा कि यही मानसिकता अब अभिषेक में भी आ रही है। उन्होंने बताया कि गौतम और सूर्यकुमार ने उसे जो आत्मविश्वास दिया है–कि अगर वह अपना खेल खेलता है, तो भारत दस में से छह बार जीतेगा–वही उसे सफल होने में मदद कर रहा है। इस अनुभवी खिलाड़ी का मानना है कि भरोसे की इस संस्कृति ने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट को बदल दिया है, जिससे खिलाड़ियों को प्रभावशाली प्रदर्शन के पीछे भागते हुए असफल होने की आज़ादी मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी दृष्टिकोण ने कर्स्टन के नेतृत्व में भारत के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया, और गंभीर और सूर्यकुमार अब अभिषेक शर्मा के नेतृत्व वाली नई पीढ़ी में उसी निडर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50–50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारुप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरुरत नहीं है। दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर–19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई। अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारुप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं। इसके अलावा एकदिवसीय क्रिकेट में समय भी ज्यादा लगता है। शायद इसी से बचने के लिए कई सदस्य देश टी20 प्रारुप की मांग कर रहे थे, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया है।

आईपीएल 2026 सत्र में क्लासेन को रिलीज कर सकती है सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद अब आईपीएल के 2026 सत्र में हेनरिक क्लासेन सहित कुछ ऐसे क्रिकेटरों को रिलीज करेगी। जिनको मोटी रकम देकर रखा गया था। क्लासेन को सनराइज़र्स हैदराबाद ने पिछले साल पूरे 23 करोड़ रुपए में रिटेन कर सबको हैरान कर दिया था। अब 2026 सत्र की तैयारी में लगी सनराइजर्स क्लासेन जैसे स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को शामिल करेगी। क्लासेन को बाहर करने से टीम के करीब 23 करोड़ रुपये बचेंगे।

इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को आईपीएल 2025 से पहले 23 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया गया था, जिससे वह सबसे महंगे रिटेन खिलाड़ी बन गए थे। क्लासेन ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था पर टीम इसके बाद भी उनको रखने के मूड में नहीं है। उनको बाहर करने से 23 करोड़ बचेंगे और ये रकम नीलामी राशि में जुड़ जाएगी। वहीं कई पूर्व दिग्गजों का मानना है कि अगर टीम आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले क्लासेन को रिलीज़ करने का फैसला करती है, तो यह एक अच्छा कदम होगा। इससे टीम के पास बची हुई रकम से बेहतर गेंदबाज शामिल करने का अवसर रहेगा। इसके अलावा टीम मध्यक्रम के लिए बल्लेबाज भी रख पायेगी।

नीलामी में 23 करोड़ रुपये ज़्यादा लेकर जाने से उन्हें ज़रूरी कमियों को पूरा करने का एक अच्छा मौका मिलता है। टीम के लिए एक अच्छा गेंदबाज़ी आक्रमण तैयार करना और अपने मध्यक्रम को बेहतर करना फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा वह क्लासेन को कम कीमत में भी खरीद सकती है। इस क्रिकेटर ने हर सत्र में टीम की ओर से 400 से अधिक रन बनाये हैं।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच स्कालोनी बोले, टीम में अच्छे नये खिलाड़ियों को भी जगह देंगे

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। स्कालोनी ने कहा कि टीम में कुछ अच्छे नये खिलाड़ियों को भी अब भी जगह देने के लिए वह तैयार है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों के जरिये अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप के लिए खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग–अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

त्वचा कैंसर से पीड़ित क्लार्क बोले, नियमित रुप से जांच करायें सभी लोग

-अब तब मेरे चेहरे पर सात जगह सर्जरी हुई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कप्तान माइकल क्लार्क आजकल त्वचा के कैंसर से पीड़ित हैं। क्लार्क ने बीमारी के दर्द को बताते हुए कहा कि उनके चेहरे से अब तक 7 जगह सर्जरी से कैंसर कारक बेसल सेल्स निकाले गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल में इलाज के दौरान उनके चेहरे और शरीर से कई मेलानोमा और अन्य प्रकार के कैंसर हटाए गये हैं। क्लार्क को पहली बार 2006 में त्वचा कैंसर का पता चला था और तभी से वह नियमित रूप से अपने विशेषज्ञ से मिलते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए लोगों को अपनी त्वचा की जांच कराने की सलाह दी, जिससे कि इस बीमारी का पता समय से पहले ही लग जाये।

क्लार्क ने एक शो में कहा कि उन्होंने हाल ही में अपनी नाक से एक और कैंसरयुक्त घाव हटवाया है। उन्होंने कहा, 'लगभग चार सप्ताह पहले मेरी नाक से एक निकाला गया था, और मैं हर छह महीने में अपने त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलता हूं। अब तक मेरे चेहरे पर सात से अधिक जगहों पर सर्जरी हुई है।' क्लार्क के मुताबिक, वह नियमित रूप से सनस्पॉट को फ्रीज करवाते हैं और किसी भी बेसल सेल्स को तुरंत कटवा देते हैं जिससे कि बीमारी आगे न फैले।

पिछले साल क्लार्क ने अपनी नाक की सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की थी। उन्होंने लिखा, 'आज मेरी नाक से एक और निकाला गया। यह सबको याद दिलाने के लिए है कि अपनी त्वचा की जांच करवाएं। रोकथाम इलाज से बेहतर है, लेकिन जल्दी पहचान भी उतनी ही ज़रूरी है।' उन्होंने अपने डॉक्टर का आभार जताया कि उन्होंने कैंसर को शुरुआती चरण में ही पकड़ लिया। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई और कई लोगों ने उनकी ईमानदारी की सराहना की।

क्लार्क ने बताया कि उनकी बीमारी का बसे बड़ा कारण क्रिकेट के दौरान धूप में बिताए गए लंबे घंटे हैं। उन्होंने कहा, 'सोचिए भारत या ऑस्ट्रेलिया में पूरे दिन फील्डिंग करना, आठ घंटे तक तेज धूप में रहना। हम अक्सर बैगी ग्रीन कैप पहनते थे, जिससे चेहरे और कानों पर सीधी धूप पड़ती थी। छोटी आस्तीन वाली शर्ट पहनने से बाहों पर भी असर होता था।' उन्होंने यह भी बताया कि क्रिकेटरों के लिए स्किन कैंसर का खतरा आम है और इसीलिए नियमित जांच बहुत जरुरी है। क्लार्क अकेले नहीं हैं जिन्होंने त्वचा कैंसर का सामना किया। उनसे पहले रिची बेनो, सैम बिलिंग्स, एंडी फ्लावर और लॉरेन चीटल जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी इस बीमारी से पीड़ित रहे हैं। इन खिलाड़ियों की कहानियों ने दुनिया भर में क्रिकेट समुदाय में जागरूकता बढ़ाने में मदद की है। क्लार्क का क्रिकेट करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 17,000 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 2015 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

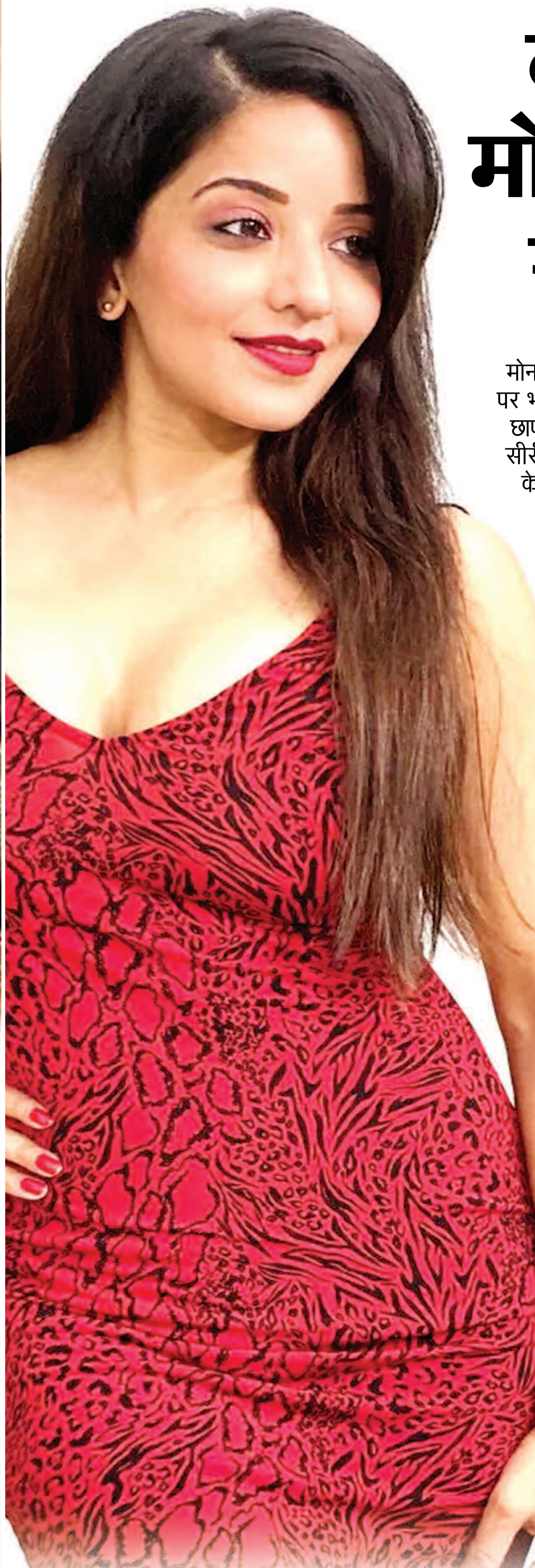

दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा, नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा को कौन नहीं जानता। उन्होंने अपने दम पर भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में छाप छोड़ी है। अभिनेत्री ने अपनी नई माइक्रो ड्रामा सीरीज की टीम को धन्यवाद दिया। अपने अभिनय के लंबे सफर को तय करते हुए अभिनेत्री ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सैयारा गाना भी ऐड किया। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।

सैयारा गाना फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक है, जिसे फरहीन अब्दुल ने गाया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और म्यूजिक तनिष्क बागची, फहीम अब्दुलाह और अरसलन निजामी ने दिया है। फिल्म सैयारा की बात करें तो इसे मोहित सूरी ने निर्देशित किया। फिल्म में अनीत पड्डा और अहान पांडे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में भोले शंकर से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।

जारी हुआ ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक, एक्शन मोड में दिखे जिमी और सिद्धार्थ

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 2 नवंबर को सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा सम्मान। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज। ऑपरेशन सफेद सागर के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं। इसके बाद लड़ाकू जहाजों से पाकिस्तान से मुकाबला करते हैं। सीरीज के पहले लुक को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है रविवार को शुरू करने का बहुत बढ़िया तरीका। एक और यूजर ने लिखा है बहुत अच्छी कास्ट है। एक और यूजर ने लिखा है स्क्रीन प्रदर्शन बहुत अच्छा है।

ऑपरेशन सफेद सागर के बारे में

सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना के योगदान को दिखाया गया है। ओनी सेन सीरीज के निर्देशक हैं। इसके निर्माता अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव हैं। सीरीज में सिद्धार्थ और जिमी शेरगिल के अलावा अभय वर्मा, मिहिर आहूजा, तारुक रैना और अर्नव भसीन मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीरीज 2026 में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।

वेट इश्यूज को लेकर अशनूर कौर ने साझा की परेशानी

काफी दिनों से बिग बॉस 19 में अशनूर कौर को बॉडी शेम किया जा रहा था, उनके वजन को लेकर बातें बनाई गईं। इस बात का खुलासा सलमान खान ने वीकएंड का वार एपिसोड में किया कि बाकी लोग अशनूर के बारे में क्या कहते हैं। इसके बाद अशनूर ने अपनी परेशानियों को शाहरुख खान के साथ शेयर किया। अशनूर ने कहा, 'जब मैं शूटिंग सेट पर जाने लगी तो काफी वेट बढ़ गया था। टीनएज से वेट को कम करने के लिए मैंने कई चीजें कीं। एक वक्त ऐसा भी था, जब मैं खाना नहीं खाती थी, मैं भूखी रहती थी। 'बिग बॉस 19' में आने से पहले मैंने 9 किलो वजन कम किया था। लेकिन यहां आने के बाद फिर से मेरा वेट बढ़ गया। तब भी टेंशन का माहौल होता है तो कुछ लोगों का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी वजन बढ़ जाता है।'

सलमान खान ने किया सपोर्ट

अशनूर कौर की परेशानी सुनकर सलमान खान ने उनका सपोर्ट किया और वह बोले- मेरा भी वजन बढ़ जाता था। अशनूर ने आगे बताया, 'जब मैं 14 साल की थी, तब से एक्टिंग कर रही हूं। तब से मैंने जंक फूड को हाथ भी नहीं लगाया। यहां हर कोई जानता है कि मेरा खाना कैसा है। सब मुझे थोड़ा खाने के लिए कहते हैं, लेकिन मैं नहीं खाती। हर किसी की बॉडी, वेट अलग होता है। लेकिन लोग यहां पीठ पीछे शर्मिंदा करते हैं।'

नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहीं हैं तान्या मानिकतला

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा। तान्या के पास इस वक्त कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज पान पर्दा जर्दा में भी नजर आएंगी। यह सीरीज अपराध और राजनीति की उस दुनिया में ले जाती है, जहां अफीम तस्करी का कारोबार चल रहा है। शो में उनके साथ प्रियांशु पैन्युली, सुशांत सिंह, राजेश तैलंग और मनु ऋषि जैसे कलाकार हैं। कहानी मध्य भारत की पृष्ठभूमि में सेट है और इसमें एक्शन, ड्रामा और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। तान्या ने 2018 में स्कूल डेज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 2020 में उन्होंने ईशान खट्टर के साथ ए सूटेबल बॉय में लता मेहरा का किरदार निभाया, जो उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ। 2021 में, वह नेटफ्लिक्स की फील्स लाइक इश्क में स्कंद ठाकुर के साथ नजर आईं। वह नेटफ्लिक्स की हाउ टू फॉल इन लव में आयुष मेहरा के साथ भी दिखी थीं। 2024 में उन्होंने फिल्म किल में तूलिका का किरदार निभाया था।

शोरा खुद ही डिसाइड करती है, मेरी जरा भी नहीं सुनती

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में एक ऐसे किरदार में दिखे जो उनके अब तक के रोल से काफी अलग रहा है। अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने फिल्मों में अपने रोल, अपनी स्ट्रगल के साथ-साथ अपनी बेटी शोरा को लेकर बातें की हैं। उन्होंने बताया कि शोरा को ये समझाने की उन्होंने बहुत कोशिश की कि वो किसी और फील्ड में जाएं लेकिन उन्होंने एक्टिंग को चुन लिया है।

किरदारों को हीरो मानने वाले मंजे हुए अदाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी की संघर्ष यात्रा जितनी यूनीक रही है, उतना ही अद्भुत उनका भूमिकाओं का ग्राफ रहा है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म थामा को लेकर, जो बॉक्स ऑफिस पर सौ करोड़ पार कर चुकी है।

आपने लंबे समय तक छोटे -छोटे रोल्स किए, क्या कभी ये डर लगता था कि कहीं साइड एक्टर बन कर न रह जाऊं?

सच कहूं, तो मैं जब इस इंडस्ट्री में आया था, तो ये सोच कर नहीं आया था कि मुझे यहां बड़ा एक्टर बनना है। मुझे अभिनय करना था, चाहे मैं थिएटर में करूं या स्ट्रीट प्ले करूं। मैं सोचता हूं कि अगर मुझे काम मिलना बंद हो गया, तो मैं एक थिएटर रूम बना लूंगा, बहुत मुमकिन है, आपके घर के आगे भी मैं शो करके आ जाऊं। मैं बस एक्टिंग कर लूं, इसके अलावा मैंने कुछ सोचा नहीं था। ये जितना कुछ मुझे मिला, वो मेरे लिए एक बोनस की तरह है और उसके लिए मैं ऊपरवाले और सभी का थैंक्यू सो मच कहना चाहूंगा।

आप खुश हैं कि आपकी बेटी आपकी फिल्म थामा देख पाई, वरना आपका कहना था कि आपके इंटेंस रोल्स के कारण आपका परिवार आपकी फिल्म नहीं देखा पाता था?

मेरा ट्रैक रिकॉर्ड काफी डार्क रहा है। ये बहुत खुशी की बात है कि मेरे बच्चों ने फाइनली मेरी फिल्म देखी। शोरा (उनकी बेटी) को पसंद आई। उसे मेरा काम बहुत पसंद आया, वैंपायर की थीम अच्छी लगी। वैसे उसे कोस्टावो में भी मेरी भूमिका अच्छी लगी थी।

आपकी बेटी शोरा कमाल का स्क्रीन प्रेजेंस रखती हैं, आपने उनके लिए क्या सोचा है?

उसके (शोरा) बारे में मैं क्या सोचूं? वो खुद ही डिसाइड कर रही है। बाप को कौन पूछता है, आज की तारीख में? भाई, मैंने उसको अपनी चीजें थोपने की कोशिश की, मगर उसने ली नहीं। मैंने सोचा था कि वो किसी और क्षेत्र में जाए, लिए अभिनय को चुन लिया है। वो मेरी जरा सी भी सुनती नहीं।

आप एक नैशनल अवॉर्ड विनर अभिनेता हैं, पुरस्कारों को कैसे देखते हैं?

मुझे लगता है कि आपको अपने प्रोसेस से प्यार होना चाहिए। जहां तक अवॉर्ड की बात है, तो वो एक शाम होती है, जब आपको अवॉर्ड मिलता है। वो बहुत अच्छी गुजरती है, उसके बाद आपको अपनी औकात पर आना पड़ता है। आपको अगले दिन शूटिंग पर जाना पड़ता है और जीरो से शुरू करना पड़ता है।

एक समय था जब हॉरर जॉर्नर को प्रतिष्ठा की निगाह से नहीं देखा जाता था, मगर अब हॉरर-कॉमिडी के रूप में हॉरर री-डिफाइन हुआ?

पहले हॉरर के साथ थोड़ा सौतेला व्यवहार किया जाता था, लेकिन आज के समय में अच्छे-से-अच्छे एक्टर भी इस जॉनर में काम करना चाहते हैं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। पहले सिर्फ डराने पर फोकस होता था, लेकिन अब इसमें कॉमेडी, रोमांस, और ड्रामा भी है। हमारी फिल्म भी एक ऐसी फिल्म है। हॉरर में पहले सिर्फ डर का इमोशन होता था, लेकिन थामा देखने के बाद मुझे लगा कि एक एक्टर के लिए इसमें एक्सप्लोर करने के बहुत मौके हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।